राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 83 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, रविवार 01 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की जीत का दावा कर बोले गोयल- डीएमके के भ्रष्टाचार और तमिल विरोधी संस्कृति से जनता नाराज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के लोग द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से तंग आ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एक अक्षम और 'भयंकर भ्रष्ट' सरकार है और यह पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए जीत कठिन नहीं लेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु चुनाव में भाजपा को अभिनेता विजय को बुलाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि फिल्म सितारे आते हैं और चले जाते हैं, और चुनाव पर उनका कोई खास असर नहीं होता। न्यूज एजेंसी 'पीटीआई' के साथ इंटरव्यू में गोयल ने कहा, डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध की भावना है। यह एक अक्षम और महा भ्रष्ट सरकार है। (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) स्टालिन पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि डीएमके के अपने सहयोगियों के साथ मतभेद भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए (जिसमें भाजपा भी शामिल है) गठबंधन यह चुनाव जीतने जा रहा है और अच्छी शासन व्यवस्था वापस लाएगा। मंत्री ने राज्य चुनावों में अभिनेता विजय के किसी प्रभाव की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि उनका चुनावों पर क्या प्रभाव होगा। हमने कई फिल्म सितारों को आते और जाते देखा है। फैन्स को वोटों में बदलना पूरी तरह अलग बात है। आपको संगठन चाहिए, लोगों की समझ और आप पर प्रशासनिक भरोसा चाहिए। हमने कई फिल्म सितारों को देखा है, हमने कमल हासन को भी देखा है, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

छत्तीसगढ़ के एग्रोक्लाइमेट के अनुरूप बनाएंगे विशेष नीतिः केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री साय कृषि और ग्रामीण विकास के सभी पहलू पर कर रहे हैं बेहतर कार्य

रायपुर। (समय दर्शन)। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को कृषि के क्षेत्र में उन्नत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों और राज्य सरकार के अधिकारियों की टीम अगले एक हफ्ते में छत्तीसगढ़ के एग्रोक्लाइमेट के अनुरूप विशेष नीति बनाएंगे। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त व सचिव श्रीमती शहला निगार, सहित केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में रिसर्च की समस्या, वैरायटी की समस्या को दूर किया जाएगा और फसलों के वैविध्य पर काम किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बेहतर समन्वय के साथ काम हो रहा है, और बेहतर करने की अनंत संभावनाएं हैं। अलग-अलग प्रयोग कर कृषि को और सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुसंधान ऐसा होना चाहिए, जिससे सीधे किसानों को लाभ मिले। उन्होंने फॉर्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन को मजबूत करने संबंधी योजना, कृषि यंत्रों के वितरण के फिजिकल वेरिफिकेशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य जिला योजना की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ के कृषि अधिकारियों और सहयोगियों से संवाद कर टीम वर्क के साथ नवाचार पर ज़ोर दिया और कहा कि अच्छा काम करने वालों को सम्मान मिलेगा।

प्रदेश में फसल विविधिकरण को बढ़ावा देना ह

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय महानदी भवन में कृषि विभाग के कामकाज की उच्च स्तरीय समीक्षा उपरांत अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में फसल विविधिकरण को बढ़ावा देना है ताकि किसानों की आय बढ़े। साथ ही छोटी जोत के किसानों को कृषि से इतर पशुपालन, मत्स्यपालन, वानिकी जैसे सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में कृषि विकास एवं किसानों के सशक्तिकरण को लेकर केन्द्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की।

बलूचिस्तान में सेना की कार्रवाई, 57 आतंकियों को मार गिराने का किया दावा; 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर हिंसा और आतंक का बड़ा दौर देखने को मिला है। अलग-अलग जगहों पर हुए हमलों और जवाबी अभियानों में 57 आतंकवादी मारे गए, जबकि 10 सुरक्षाकर्मियों की भी जान चली गई। यह घटनाक्रम बताता है कि पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं और हालात लगातार अस्थिर बने हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकियों ने सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और आम नागरिकों को निशाना बनाते हुए 12 अलग-अलग स्थानों पर हमले किए। इसके बाद देर रात से लेकर शनिवार दोपहर तक सुरक्षा बलों ने जवाबी अभियान चलाया। इन अभियानों के दौरान भारी गोलीबारी हुई और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि क्वेटा, ग्वादर, मकरान, हब, चमन और नसीराबाद सहित कई इलाकों में हमले हुए। आतंकियों ने पुलिस और फ्रंटियर कॉर्प्स को निशाना बनाया। ग्वादर के पास आतंकियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी, जिनमें एक महिला और तीन बच्चे शामिल थे।

पाकिस्तान के संघीय आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि आतंकियों ने नसीराबाद जिले में रेलवे ट्रैक पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक लगा दिए थे। बम निरोधक दस्ते ने समय रहते इन्हें हटाकर संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। हालांकि हमलों में 10 पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक फ्रंटियर कॉर्प्स के जवान मारे गए।

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा उपमुख्यमंत्री बनीं

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम, 12 मिनट का शपथ ग्रहण; शरद पवार नहीं पहुंचे

मुंबई/बारामत(एजेंसी)। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे।

इससे पहले दिन में ह्यष्टक्रविधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी ष्टरूकी शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा को राज्य उत्पादन शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास/औकाफ विभाग दिए गए हैं। वहीं सीएम देवेंद्र फ्डणवीस ने वित्त विभाग अपने ही पास रखा है। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी ष्टरूपद खाली हो गया था। शपथ के बाद उन्होंने ङ्क पर लिखा- इस मुश्किल समय में महाराष्ट्र के लोगों का प्यार और सपोर्ट ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके भरोसे के साथ, मैं दादा के आदर्शों को जिंदा रखते हुए नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ूंगी।

सुनेत्रा पवार शपथ के बाद ङ्क पर लिखा- आदरणीय अजीत दादा ने अपनी पूरी ज़िंदगी किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और पिछड़े लोगों को जीवन का एक मार्गदर्शक सिद्धांत दिया। आज, 'शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर' के आदर्शों के प्रति समर्पित रहते हुए और उनके विचारों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, कर्तव्य की भावना के साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर की जिम्मेदारी लेते हुए, मेरा दिल सच में बहुत खुश है। उन्होंने लिखा- हालांकि दादा के असमय जाने से मेरे मन पर दुख का पहाड़ आ गया है, लेकिन उन्होंने मुझे जो कर्तव्य की भावना, संघर्ष की ताकत और लोगों के प्रति समर्पण सिखाया।

खबर-खास

चंद्रपाल डड़सेना शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में विदाई कार्यक्रम

पिथौरा(समय दर्शन)। संस्था में कार्यरत बुक लिफ्टर पद पर सेवाएं दे रहीं श्रीमती गंगा बाई ध्रुव के सम्मान में आज सेवानिवृत्ति विदाई कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य श्रीमती करुणा दुबे, डॉ एस एस दीवान, डॉ सीमा अग्रवाल, श्री पी एस ठाकुर, शेखर कानूनगो, ईश्वर पटेल, जितेंद्र पटेल, टीकेश्वरी ध्रुव, सुमन पटेल के साथ-साथ समस्त अतिथि प्राध्यापक एवं कार्यालयीन कर्मचारीगण की उपस्थिति रही। अपने सेवाकाल के दौरान श्रीमती गंगा बाई ध्रुव ने कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ कार्य करते हुए संस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सहयोगपूर्ण व्यवहार एवं समर्पण को सभी ने सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि श्रीमती गंगा बाई ध्रुव का सेवाकाल अनुकरणीय रहा है तथा उनका कार्य आने वाले कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

अपने उद्बोधन में श्रीमती गंगा बाई ध्रुव ने सभी सहकर्मियों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें संस्था में कार्य करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही। कार्यक्रम का संचालन बीएस विशाल द्वारा किया गया तथा अंत में सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

बसना (समय दर्शन)। पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में विगत दिनों सांस्कृतिक एवं खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया , जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मान करने के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें अतिथि के रूप में जनपद सदस्य जन्मजय साव, पूर्व समिति अध्यक्ष चतुर्भुज साव, समिति अध्यक्ष चंदन चौहान उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। उसके पश्चात खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। तथा कक्षा में अधिक उपस्थित रहने वाले एवं सर्वश्रेष्ठ छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। अतिथियों के द्वारा विद्यालय के सभी स्टाफ रसोईया, स्वीपर को भेंट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शौकीलाल बारिक सर के द्वारा पूर्व छात्रा खुशबू साव को भेंट राशि प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधान पाठक दिनेश डड़सेना, प्रवीर कुमार बेहेरा , सुजाता प्रधान, राजेश साव ,मंदाकिनी प्रधान ,अनिता साहू, सीता साहू तथा पुष्पांजलि मैडम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक राजेश भोई के द्वारा किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम का सभी पुरस्कार की राशि स्कूल कॉम्प्लेक्स समिति के अध्यक्ष चैतराम साव के द्वारा प्रदान किया गया।

परमात्मा के सच्चे नाम को जानकर ही मानव जीवन का कल्याण होता है

जांजगीर (समय दर्शन)। परम् पूज्य सदगुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से माघी पूर्णिमा के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति जिला जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में दिनाँक 31 जनवरी व 01 फरवरी 2026 को दो दिवसीय सद्भावना सत्संग समारोह का आयोजन भीमा तालाब जांजगीर में किया गया। जिसके प्रथम दिवस पर हरिद्वार से पधारे मुख्य वक्ता महात्मा दीप्ति बाई जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव का जीवन परमपिता परमात्मा की कृपा से प्राप्त इसमें परमात्मा के सच्चे नाम और रूप को जानकर मानव जीवन का कल्याण करें तभी हमारा जीवन सार्थक होगा।

काशी से पधारे म.चित्रा बाई जी ने कहा कि समय के महापुरुष की खोज कर की सेवा करनी चाहिए।इन्होंने मानव जीवन में सच्चे सतगुरु के महत्व को बताया और कहा कि

तीरथ नहाए एक फल
संत मिले फल चार ।।
सतगुरु मिले अनेक फल
कहत कबीर विचार।।।।

योग नगरी ऋषिकेश से पधारे म.नीरा बाई जी कहा कि सच्चे साधुओं की पहचान उनके स्वरूप से नहीं पहनावे से नहीं किन्तु ज्ञान से होती है।

जिला प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त कार्यकर्तागण,मानव सेवा दल ,यूथ विंग, महिला प्रकोष्ट एवं प्रेमी भाइयों-बहनो का सहयोग सराहनीय रहा। प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त कार्यकर्तागण,मानव सेवा दल ,यूथ विंग, महिला प्रकोष्ट एवं प्रेमी भाइयों-बहनो का सहयोग सराहनीय रहा।

सीता हरण अनैतिकता (रावण)पर नैतिकता (रामजी) की जीत का प्रतीक है-आचार्य पं राजेन्द्र कृष्ण

जांजगीर बिर्रा (समय दर्शन)। -श्री बम-भोले राम लीला मंडली बिर्रा में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा के आठवें दिन सीता हरण का सुंदर झांकी के साथ वर्णन करते हुए कथावाचक आचार्य पं राजेन्द्र कृष्ण महराज जी ने कहा कि पंचवटी के आश्रम में जब श्री राम सीता और लक्ष्मण रह रहे थे उस समय रावण का अंत करने हेतु माता जानकी के साथ श्री राम ने अनोखी

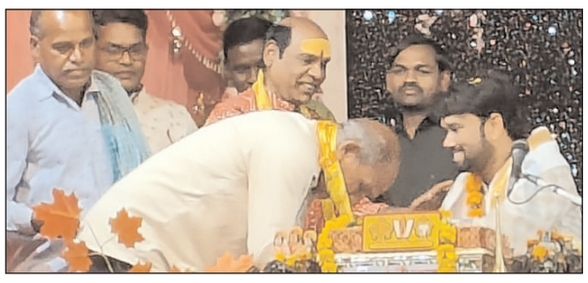

लीला खेली जहां रावण ने मारिच रूपी सोने की मृग को जंगल में भेजकर सीता को आकर्षित करता है और सीता के कहने पर श्री राम उस कपटी मृग का पीछा करते हुए दूर जंगल की पहुंच जाते हैं और अंतिम समय में मृग के राम ! राम !! कहने पर सीताजी ने लक्ष्मण को भी भेज देती है।तब मौका पाकर रावण साधू के वेश में सीता से भीक्षा मांगने पहुंचता है लेकिन लक्ष्मण रेखा होने के कारण रावण भीक्षा ग्रहण नहीं करता और जैसे ही लक्ष्मण रेखा को पार करती है तब रावण द्वारा सीता का हरण कर लिया जाता। आचार्य श्री ने कहा कि सीता हरण अनैतिकता (रावण) पर नैतिकता (रामजी) की जीत का प्रतीक है।कथा में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू,गीता प्रसाद तिवारी, मनोज कुमार तिवारी,एकादशिया साहू,मणीलाल कश्यप,मंडी अध्यक्ष संतोष कश्यप,श्रवण कुमार कश्यप, लखनलाल देवांगन, मनहरण सोनवानी, श्रवण कुमार थवाईत, कृष्णा कश्यप, कमलेश कुमार कश्यप,शुभम थवाईत, शिवप्रसाद साहू, लक्ष्मण पटेल,सौखीलाल पटेल, पप्पू भांचा, लक्ष्मी प्रसाद देवांगन, गोवर्धन देवांगन,सम्मे यादव, लक्ष्यनाथ देवांगन,नीरज कश्यप मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।कथा आरती के बाद आचार्य श्री के पांच वर्षीय सुपुत्र ने माता सेवा गायन कर सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मानव मानव एक समान के मार्ग पर चलकर करें उत्थान - ब्यास कश्यप

सद्भावना सत्संग समारोह में किए दीप प्रज्वलन

जांजगीर(समय दर्शन)। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित सद्भावना सत्संग समारोह भीमा पार जांजगीर में विधायक ब्यास कश्यप ने दीप प्रज्वलित किए ।इस अवसर पर उन्होने उपस्थित धर्म प्रेमी श्रद्धालुओ से आव्हान किया कि मानव मानव एक समान की मार्ग पर चलकर वे सभी समाज में आपसी प्रेम को स्थापित करें , जो महराज सतपाल जी संदेश भी है और साथ ही उन्होने देश समाज में आपसी भाई चारा पर जोर दिया ।इस दौरान उनके साथ देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , पूर्व पार्षद किशन आदित्य सहित आयोजन समिति से सुदेश कुंभकार , परमेश्वर देवांगन , टीकम सोनी, पुरुषोत्तम साहु सहित हरिद्वार उत्तराखंड से पहुंचे साध्वी गण मौजूद रहे ।

एनएच -53 पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' का भव्य आयोजन

BSCPL औरंग टोलवे लिमिटेड ने बच्चों को किया जागरूक

पिथौरा(समय दर्शन)। 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026' के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झलप में जागरूकता और सुरक्षा के संदेश के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन BSCPL औरंग टोलवे लिमिटेड द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। विविध गतिविधियों के जरिए सुरक्षा का संदेश दिया गया जिसमे चित्रकला,प्रश्नोत्तरी,पुरस्कार वितरण शामिल रही। कार्यक्रम की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ वृक्षारोपण से हुई। इसके पश्चात, छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को कैनवास पर उकेरा।

यातायात नियमों और सड़क संकेतों से संबंधित एक रोमांचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा इनाम देकर प्रोत्साहित किया गया।

सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, स्कूल के बच्चों की साइकिलों के पीछे रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। जिससे रात के समय दृश्यता बढ़ती है दुर्घटना की संभावना काफी कम हो जाती है।

इस कार्यक्रम मे पेड लगाकर पर्यावरण सुरक्षा का सन्देश दिया गया। सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा कार्यक्रम के दौरान BSCPL औरंग टोलवे लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि जीवन बचाने का एक तरीका है।

कार्यक्रम सेफ्टी एक्सपर्ट उमा शंकर और टोल मैनेजर पवन प्रशांत सिंह के द्वारा तैयार रूपरेखा के अनुरूप सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का क्रियान्वयन कंट्रोल रूम एग्जीक्यूटिव महावीर सोनी और उनकी टीम जिसमे आर.पी.ओ. चमन पैरामेडिक महेंदर मिरी और उनकी टीम द्वारा सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झलप प्रधानाचार्य के विजयलक्ष्मी सिदार मैम ,स्कूलअध्यक्ष निर्भय नायक ,पी आर वर्मा सर, नीलिमा दीवान मैम , ध्रुवंशी मैम, सभी स्टाफ उपस्थित थे।

बरमकेला क्षेत्र के विद्यार्थियों के बोर्ड और वार्षिक परीक्षा की तैयारी का कलेक्टर ने किया आंकलन

परीक्षा परिणाम सुधारने कलेक्टर ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को दिए टिप्स

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। जिले में 10वीं एवं 12वीं की आगामी बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शनिवार को बरमकेला विकासखंड के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरमकेला और शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल लेन्धरा का निरीक्षण किया। उन्होंने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरमकेला में नाम, क्या बनना चाहते हो, उसके लिए क्या पढना होगा में तनूजा सिदार ने जवाब दी कि वे डॉक्टर बनना चाहती है इसके लिए उन्हें 12वी में बायोलॉजी पढ़ना है और नीट परीक्षा के माध्यम से वे डॉक्टर की पढ़ाई करेंगी। कलेक्टर ने शिरा धमनी में अंतर, वैश्वीकरण, चकबंदी और गुट निरपेक्ष क्या है आदि के बारे में बच्चों से पूछा और जवाब संतोषजनक नहीं होने पर विषय शिक्षक को अच्छे से पढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों को कहा अच्छे से पढ़ो, लिख लिखकर अभ्यास करो।

वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेन्धरा में कलेक्टर ने विद्यार्थियों और विषय शिक्षक से हरित क्रांति के बारे में पूछा। अध्ययन-अध्यापन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान प्रत्येक कक्षा 10 वी, 12 वीं के छात्र-छात्राओं को सांइस संबंधित जो बोर्ड परीक्षा आने वाले प्रश्न पूछा गया। विद्यार्थियों को प्रश्न देकर उत्तर लिखने के लिए कहा और खुद चेक किया।

कलेक्टर ने बरमकेला और लेंधरा हाईस्कूल के शिक्षकों का अलग से बैठक लेकर निर्देशित करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम लाने के लिए विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिक ड्यूटी निभाकर खानापूर्ति नहीं करें, बल्कि बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए अतिरिक्त प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अर्धवार्षिक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को और अधिक प्रोत्साहित कर आगे लायें। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, नरेश कुमार चौहान डीएमसी, अजय पटेल सीईओ, मोहनलाल साहू नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित, प्रसूता महिलाओं को बेबी किट का वितरण

बेमेतरा (समय दर्शन)। स्वास्थ्य विभाग नवागढ़, जिला बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में, नवागढ़ बीएमओ डॉ. विकास पांडेय एवं बीपीएम सी. के देवांगन के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मारो, नवागढ़ में जीवनदीप समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल (पदेन अध्यक्ष, जीवनदीप समिति) के अनुमोदन से किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री बघेल ने मारो अस्पताल का निरीक्षण किया तथा अस्पताल में भर्ती प्रसूता महिलाओं को बेबी किट का वितरण कर शुभकामनाएं दीं।

बैठक की शुरुआत में 30 जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी प्रतिमा पर पुष्प एवं गुलाल अर्पित कर कुष्ठ जागरूकता अभियान 'स्पर्श' (30 जनवरी से 13 फरवरी) का उद्घाटन किया गया।

इसके पश्चात बीएमओ डॉ. विकास पांडेय द्वारा मंत्री श्री दयालदास बघेल का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया, साथ ही अस्पताल स्टाफ द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। जीवनदीप समिति की बैठक के दौरान मंत्री द्वारा अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं एवं स्टाफ की जानकारी ली गई।

इस पर बीपीएम सी. के देवांगन ने बताया कि मारो का शासकीय अस्पताल पूर्व में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में संचालित हो रहा था, जिसे इस वित्तीय वर्ष से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नत किया गया है। वर्तमान में नया भवन स्वीकृत नहीं होने के कारण अस्पताल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में ही संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उन्नयन के पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 47 पदों का सेटअप स्वीकृत किया गया है।

विकासखंड स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता कल खटखटी बसना एवं जगदीशपुर, पिथौरा में

महासमुन्द (समय दर्शन)। विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 02 फरवरी को जगदीशपुर पिथौरा, खटखटी बसना में होगा आयोजित एवं 03 फरवरी को कुटेला सरायपाली में विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2025- 26 का आयोजन सभी विकासखंड में आयोजित किया जाना है। इसके तहत दिनांक 02 फरवरी को जे एम एस जगदीशपुर विकासखंड पिथौरा में आयोजित किया जाएगा जिसमें उपेंद्र प्रधान 9009888982, हेमंत बारीक 9926161394, राजेश साहू से संपर्क कर खेल की जानकारी व पंजीयन करा सकते हैं। दिनांक 02 फरवरी को खटखटी बसना में आयोजित किया जाएगा जिसमें भूपेश प्रधान नोडल अधिकारी 9669103019, दुर्योधन पटेल, सत्यनारायण ठाकुर से संपर्क किया जा सकता है। दिनांक 3 फरवरी को आई ई एम बी एच शाला कुटेला सरायपाली के खेल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता में विकासखंड की महिला खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेंगी। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना एवं खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस प्रतियोगिता में 9 से 18 वर्ष एवं 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की महिला खिलाड़ी भाग ले सकेंगी। सरायपाली हेतु विभिन्न खेल विधाओं में बैडमिंटन, खो-खो, रस्साकसी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, हॉकी के साथ-साथ 100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ शामिल की गई है। सभी प्रतियोगिताएं निर्धारित आयु वर्ग के अनुसार आयोजित होंगी। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इच्छुक महिला खिलाड़ी पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए विकासखंड के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संबंधित नोडल अधिकारी या व्यायाम शिक्षकों से संपर्क कर सकते हैं।

मुंगेली के ग्राम बुधवारा में आगर नदी पर बनेगा एनीकट

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने किया भूमिपूजन

मुंगेली (समय दर्शन)। मुंगेली विकासखंड के ग्राम बुधवारा में आगर नदी पर प्रस्तावित एनीकट निर्माण का भूमि-पूजन केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू द्वारा किया गया। लगभग 3 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह 60 मीटर लंबा एनीकट क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए बहुआयामी लाभ लेकर आएगा।

एनीकट के निर्माण से ग्राम बुधवारा एवं दुल्लापुर के मध्य सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा, साथ ही दोनों गांवों के बीच की दूरी भी कम होगी। इसके अतिरिक्त, गर्मी के मौसम में भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्राम सेमरकोना से अमरटापू तक जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री साहू ने कहा कि एनीकट निर्माण से बुधवारा एवं आसपास के गांवों में पानी की स्थायी उपलब्धता, सिंचाई रकबे में विस्तार तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, सहित जनप्रतिनिधि, जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

14 वीं बार ललितपुर विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षादूत से सम्मानित प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में सामाजिक सहयोग से चौदहवी वी बार नेवता भोज का आयोजन सम्पन्न हुआ ।

सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर,पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात उपस्थित समस्त अतिथियों का प्रधान पाठक गफ्फार खान,प्रहलाद साहू, गयात्री बरिहा, महत्तरीन चौहान द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान पाठक गफ्फार खान के प्रयास से,मोहरसाय साहू (राज ऑटो पार्ट्स एवम रिपेयरिंग जमदरहा) द्वारा पीएम पोषण योजना अंतर्गत नेवता भोज का आयोजन कराया गया । इस मौके पर उनकी पत्नि गोमती साहू और उनकी दोनो सुपुत्री नंदनी साहू कक्षा चौथी, खुशी साहू कक्षा पहली उपस्थित थी।

दोनो छात्रों को शैक्षणिक सामग्री भेट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। नेवता भोज में केला,जलेबी ,मिक्चर,अमरूद, बिस्किट ,चाकलेट, वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया, नेवता भोज देने के लिए ललितपुर के प्रधान पाठक गफ्फार खान ने मोहरसाय एवम उनके परिवार को धन्यवाद दिया ।इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा नेवता भोज का आयोजन सतत रूप से विद्यालय में हो रहा है। नेवता भोज से बच्चों के चेहरे खिल रहे हैं। यह ललितपुर के ग्रामवासियों के अपार सहयोग का परिणाम है ।इस दौरान शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज का आयोजन आज 14 वी बार हुआ जो ग्रामीण वनांचल क्षेत्र में करना असंभव था ,लेकिन प्रधान पाठक के दृढ़ इच्छा ने ये साबित कर दिया कि अगर कुछ करने कि ठान लिया जाए तो कुछ भी असंभव कुछ नही है।

आज के कार्यक्रम को शाला प्रबंधन समिति के सदस्य कायतराम ने भी अपने संबोधन में संकुल स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर आशा से अनुरूप अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी को बधाई दिए। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल साहू , उपाध्यक्ष खेमकुमारी साहू ,कायतराम चौहान, कुमारी बाई, गणेशराम, रामेश्वरी चौहान , अंजली साहू, महेत्तरीन,बुधियारीन, सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू,आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री आदि उपस्थित थे। नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार, संकुल समन्वयक संघ बसना के अध्यक्ष त्रिकांत बाघ और जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। अंत में प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

70 साल से अधिक के राशन कार्ड धारियों की अब चेहरे की पहचान से ई-केवाईसी

रायपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पात्र सभी राशनकार्ड धारकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी (इलेक्ट्रानिक पहचान सत्यापन) अनिवार्य किया गया है। इस प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों को देखते हुए अब वृद्ध, असहाय एवं अस्वस्थ हितग्राहियों के लिए घर बैठे चेहरा आधारित सत्यापन की सुविधा शुरू कर दी गई है। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के कई हितग्राहियों के अंगुलियों के निशान स्पष्ट न होने के कारण मशीन में पहचान मिलान नहीं हो पा रहा था। इससे उन्हें राशन प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। शासन ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अब चेहरे की पहचान के माध्यम से ई-केवाईसी की व्यवस्था लागू की है। अब हितग्राही 'मेरा ई-केवाईसी' मोबाइल अनुप्रयोग के जरिये घर बैठे ही अपना चेहरा स्कैन कर पहचान सत्यापन कर सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो दुकान तक पहुंचने में असमर्थ हैं या जिनका अंगुली आधारित सत्यापन बार-बार असफल हो रहा है। अपने मोबाइल में प्ले स्टोर से मेरा ई-केवाईसी व आधार फेस आरडी अनुप्रयोग डाउनलोड करें। अनुप्रयोग खोलकर आधार नंबर और मांगी गई आवश्यक जानकारी भरें। आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आए पासवर्ड दर्ज करें। इसके बाद फेस ई-केवाईसी विकल्प चुनें। मोबाइल का कैमरा खुलेगा। स्क्रीन पर दिए निर्देशों के अनुसार चेहरा दिखाएं, पहचान सत्यापन पूर्ण हो जाएगा। नियंत्रक खाद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि यदि किसी कारण से मोबाइल एप काम न करे तो हितग्राही अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर जाकर मशीन में अंगुली या अंगूठे के निशान देकर बायोमेट्रिक ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में फिर बढ़ेगी ठंड, 3 दिन में 4 डिग्री तक गिरेगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के उत्तरी हिस्से यानी सरगुजा संभाग में ठंड की वापसी होने वाली है, जबकि राजधानी रायपुर समेत मैदानी इलाकों में तापमान स्थिर बना रहेगा। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि सरगुजा संभाग और उससे लगे जिलों में अगले 3 दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है. इससे उत्तर छत्तीसगढ़ में ठिठुरन बढ़ने की संभावना है। दूसरी ओर, रायपुर, बिलासपुर और बस्तर संभाग में अगले 4 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं. यहां मौसम फिलहाल स्थिर बना रहेगा। पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश में तापमान का उतार-चढ़ाव जारी है। सबसे कम तापमान: अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सबसे अधिक तापमान: दुर्ग और जगदलपुर में अधिकतम तापमान 31एष्ट तक पहुंच गया। रायपुर राजधानी में बुधवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री दर्ज किया गया। रायपुर और आसपास के इलाकों में सुबह के वक्त घना कोहरा देखा जा रहा है। मौसम विज्ञानिकों के अनुसार, अगले 3 से 4 दिनों तक प्रदेश में सर्दी और हल्की गर्मी का मिला-जुला असर दिखेगा। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है और मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहेगा।

प्रभारी सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने किया पीएमश्री स्कूल का निरीक्षण

रायपुर। पीएम पं.आर.डी. तिवारी शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, आमापारा का एसीएस एवं जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर पीएम श्री योजना के अंतर्गत मिली सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में लाइब्रेरी में पर्याप्त पुस्तकें, आधुनिक प्रयोगशालाएं तथा बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के पालक भी उपस्थित रहे। श्रीमती शर्मा ने पालकों से विद्यालय की आवश्यकताओं के संबंध में सुझाव मांगे। उन्होंने बच्चों को कहा कि विद्यालय उनका अपना है, इसलिए इसकी संपत्ति की सुरक्षा उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने नल उपयोग के बाद टेप बंद करने जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण विषयों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों से उनकी पसंदीदा विषयों के बारे में चर्चा की। जब विद्यार्थियों ने गणित को पसंदीदा विषय बताया, तो कलेक्टर ने उनसे गणित से जुड़े कुछ कैलकुलेशन पूछकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने शिक्षकों की जानकारी के साथ रोबोटिक्स, फिजिक्स, बायोलॉजी, कंप्यूटर एवं केमिस्ट्री लैब, शुद्ध पेयजल, लाइब्रेरी, कक्षा, शौचालय, खेल मैदान तथा वाई-फाई की उपलब्धता का विस्तृत निरीक्षण किया। लाइब्रेरी निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकों की जानकारी ली तथा पुस्तक रजिस्टर का जायजा लिया। कक्षा कक्षों में फर्नीचर की स्थिति देखी और आवश्यकतानुसार शीघ्र बदलाव के निर्देश दिए। गर्ल्स टॉयलेट के निरीक्षण में उन्होंने सैनिटरी वेंडिंग मशीन एवं इंसीनेटर मशीन की कार्यशीलता की जांच की तथा इन्हें नियमित रूप से चालू रखने के निर्देश दिए।

स्कूली बच्चों से किया संवाद कहा मन लगाकर करें पढ़ाई, खेलों पर भी दें ध्यान

कुरुषनार में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बनेगा अतिरिक्त कक्ष

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बालक आश्रम के निरीक्षण के दौरान मौके पर ही दी स्वीकृति
- साय ने बच्चों से पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में शामिल होना चाहिए

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अबुझमाड़ क्षेत्र के ग्राम कुरुषनार स्थित बालक आश्रम पहुंचकर छात्रों से रूबरू हुए आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों की मांग पर यहां अतिरिक्त कक्ष निर्माण की स्वीकृति प्रदान की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यहां उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा और वन मंत्री श्री केदार कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि कहा आप सभी खूब पढ़ाई करें और अपने माता पिता सहित देश प्रदेश का नाम गौरव करें। उन्होंने आश्रम में रहने वाले विद्यार्थी रामजी से कहा की आप पढ़ लिखकर क्या बनना चाहते हैं तब रामजी ने कहा की मैं बड़ा होकर शिक्षक बनना चाहता हूँ। तब मुख्यमंत्री ने उनकी प्रशंसा की और मेहनत से पढ़ाई करने की समझाइश दी। इसी तरह छात्र सोप सिंह ने मुख्यमंत्री को पहाड़ा सुनाया। स्कूली बच्चों से संवाद के दौरान कक्षा दूसरी में पढ़ने वाला आदित्य ने मुख्यमंत्री से पूछा आपको स्कूल जाने में कैसा लगता था? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे स्कूल जाना अच्छा लगता था। बचपन में पढ़ाई को भरपूर समय दे, बड़ा आदमी बनने के लिए पढ़ाई

आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता की जानकारी ली और कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल गतिविधियों में शामिल होना चाहिए। इस मौके पर स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री को अंतरिक्ष अभियान के मॉडल की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने मॉडल प्रदर्शित करने वाले सभी विद्यार्थियों को खूब पढ़ाई करने और वैज्ञानिक बनने का प्रयास के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शासकीय कार्यक्रमों की क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत देखने कुरूषनार के शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुंचे। उचित मूल्य दुकान में मौजूद राशनकार्डधारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि उन्हें नियमित रूप से समय पर राशन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने उचित मूल्य दुकान में मौजूद डुटाखार के मेहरो, दशरी, तिलो एवं सुनिता, गुमियाबेड़ा की रजनी बाई एवं अनिता और ग्राम कंदाड़ी की वीणाबाई से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की और उनके परिवार के सदस्यों की जानकारी भी ली। इन सभी ने बताया कि उन्हें हर माह चांवल मिल रहा है और इसकी गुणवत्ता अच्छी है।मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान उचित मूल्य दुकान में स्टॉक की उपलब्धता, रखरखाव , साफ सफाई, स्टॉक रजिस्टर, भंडारण क्षमता आदि की जानकारी ली। गौरतलब है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान से आसपास के 12 गांव आलवर, कंदाड़ी, कुरुषनार, कोडोली (विरान), गुमियबेड़ा, जिवलापदर, अरसगढ़, डुटाखार, कंकाल, जामपारा, कावड़वार और नदीपारा संलग्न है तथा 408 राशन कार्ड धारकों को राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से 20 मार्च तक होगा

- राज्यपाल ने किया अनुमोदन बजट सत्र के दौरान होंगी कुल 15 बैठकें
- वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक चलेगा। इस दौरान 15 बैठकें होंगी। इस सत्र में वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश किया जाएगा। बजट में विपक्ष द्वारा सरकार को गिरती कानून व्यवस्था शराब खनिज माफिया सहित धान खरीदी में अव्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा जाएगा। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार सरकार द्वारा की गई अनुशंसा के पश्चात राज्यपाल रमेन डेका के अनुमोदन के पश्चात अधिसूचना जारी कर दी गई है, जिसमें पहले बजट सत्र 23 फरवरी से 25 मार्च तक प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब 23 फरवरी से लेकर 20 मार्च तक कर दिया गया है, इसमें कुल 15 बैठके होगी। विधानसभा सचिवालय के अनुसार इस सत्र में राज्य शासन का आम बजट पेश किया जाएगा। यह बजट गरीब डेढ़ लाख करोड़ का होगा। राज्य में विभिन्न विषयों पर प्रश्न लगाने के लिए कल से विधानसभा में तैयारी शुरू हो जाएगी। राज्य में विधानसभा का आधुनिकीकरण कर दी गई है, जिसके कारण यहां सभी प्रश्न ऑनलाईन लगाए जा रहे हैं। विधानसभा सचिवालय के अनुसार होली 4 मार्च को है, इसलिए 28 फरवरी से लेकर 8 मार्च तक विधानसभा का अवकाश रहेगा। इसके पश्चात विधानसभा की कार्रवाई शुरू होगी। विपक्ष द्वारा ध्यानाकर्षण तथा स्थगन प्रस्ताव लाया जाएगा। वर्तमान में भाजपा के अजय चन्द्राकर ही सरकार को घेर रहे हैं, जबकि कांग्रेस की ओर से भूपेश बघेल सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों का विरोध करते हैं।

प्रदेश में कलेक्टरों की सूची शीघ्र होगी जारी

रायपुर। प्रदेश में एस हरीश कलेक्टर बस्तर और दीपक सोनी कलेक्टर बलौदाबाजार को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने के बाद अब शीघ्र ही कलेक्टरों की एक सूची जारी की जाने वाली है। मिली जानकारी के अनुसार बस्तर कलेक्टर एस हरीश को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया गया है। यहां पर आकाश छिकारा को नया कलेक्टर बनाया गया है। इसके पश्चात अब दीपक सोनी को भी कार्यमुक्त कर दिया जाएगा, जिसके चलते राज्य में नए कलेक्टरों की सूची जारी की जाएगी। प्रदेश शासन द्वारा जिन जिलों में धान की गड़बड़ी की शिकायतें आयी है, उन्हें देखते हुए अनेक कलेक्टरों को हटाए जाने की चर्चा है। यह अधिकार मुख्यमंत्री का है। इस समय बिलासपुर तथा कोरबा राजनीति का गढ़ बना हुआ है, बिलासपुर में एक केन्द्रीय मंत्री तथा राज्यमंत्री के प्रोटोकाल के कारण अधिकारी पसोपेश है।

महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त जारी

महतारी वंदन योजना से आज महिला सशक्तिकरण को मिला नया आयाम

- छत्तीसगढ़ में योजना के तहत अब तक 15 हजार 595 करोड़ रूपए अंतरित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा आज जिला नारायणपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त की राशि जारी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश की 68 लाख 39 हजार 592 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 641 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राशि का अंतरण करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण को नया आयाम मिला है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना का शुभारंभ 1 मार्च 2024 को किया गया था। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 21 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु की विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। योजना के शुभारंभ से अब तक 23 किस्तों के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को कुल 14 हजार 954.42 करोड़ रुपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। यह व्यवस्था वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 24वीं किस्त के रूप में 641.34 करोड़ रुपए की राशि जारी किए जाने के पश्चात महतारी वंदन योजना के अंतर्गत कुल वितरित राशि बढ़कर 15 हजार 595.77 करोड़ रुपए हो जाएगी।

रायपुर कमिश्नर ने जारी किया पहला आदेश,नशे के विरुद्ध है यह लड़ाई....

- कई प्रतिबंधित समग्री पर विक्रय पर लगाई रोक

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नई कमिश्नरेट ने मादक पदार्थों पर पहला प्रतिबंध का आदेश जारी किया है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ज्ञापनों, सामाजिक संगठनों व जनसामान्य से यह तथ्य प्रकाश में आया कि शहर में नाबालिकों/युवाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के नशे (चरस, गांजा आदि) के सेवन हेतु रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन, पर्फेक्ट रोल का चलन बढ़ गया है, मादक पदार्थ (चरस, गांजा आदि) को सुगमता से अपने साथ रखने, छुपाने व सेवन करने का आसान / सरल तरीका है। इसमें टाईटेनियम ओक्साईड, पोटेशियम नाईट्रेट, आर्टिफिसियल डाई, केल्शियम कार्बोनेट तथा क्लोरिन ब्लीच जैसे जहरीले पदार्थ पाये जाते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिये बेहद हानिकारक है। रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन, पर्फेक्ट रोल पान की दुकान, परचून/किराने व चाय की दुकानों जैसे सहज उपलब्ध होने वाले स्थानों में विकय किया जाने लगा है, जिससे सरलता से नाबालिकों/युवाओं को उपलब्ध है। जिसके परिणामस्वरूप नाबालिकों/युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तथा नशे में कारित अपराधिक गतिविधियों में वृद्धि परिलक्षित हो रही है, जो उनके स्वयं व जन सामान्य के लिये गम्भीर खतरा बन सकता है। रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन, पर्फेक्ट रोल के उपयोग की रोकथाम की दृष्टि से इसके पान की दुकान, परचून/किराने, व चाय की दुकानों कैफे, रेस्टोरेंट जैसे सहज उपलब्ध स्थानों से विक्रय पर प्रतिबंधित किये जाने की तत्काल आवश्यकता प्रतीत हो रही है। राज्य सरकार द्वारा दिनांक 21.01.2026 को जारी अधिसूचना कं स्वद्वद्यद्द दिनांक 15 जनवरी 2026 के द्वारा पुलिस आयुक्त को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों एवं कृत्यों का प्रयोग करते हुये रायपुर नगरीय क्षेत्र की सीमा में रोलिंग पेपर, गोगो स्मोकिंग कोन, पर्फेक्ट रोल के विक्रय से कानून एवं व्यवस्था तथा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की स्थिति।

अपर मुख्य सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में अपर मुख्य सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने विभागीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ आम जनता को मिले और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुने और दूर करने का प्रयास करें। अपर मुख्य सचिव श्रीमती शर्मा ने कहा कि सभी स्कूलों में छात्र-छात्राओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय का निर्माण करवाएं। साथ ही सेनेटरी वेंडिंग मशीन भी लगवाएं और यह भी ध्यान रखें कि यह सुचारू रूप से संचालित हो। स्कूलों में साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब और आवश्यकतानुसार लाईब्रेरी की व्यवस्था करें। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पीएमएवाय 2.0 की स्वीकृति मिल गई है जिसमें तेज़ी से पूर्ण कराएं जा रहें हैं। श्रीमती शर्मा ने सुझाव दिया कि इस योजना के तहत ऐसे भवनों के निर्माण करने का प्रयास करें की तापमानरोधी हो, जिससे गर्मी के समय वहां रहने वाले रहवासियों को कम से कम समस्या हो। साथ ही पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली एवं जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को जल्द प्राप्त करें।

नई भूमि गाइडलाइन से रियल एस्टेट को मिलेगी गति जनता को मिलेगी राहत

- वित्त मंत्री ओपी चौधरी का विभिन्न संगठनों ने किया सम्मान, जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में भूमि की गाइडलाइन दरों के युक्तिकरण एवं सरलीकरण के तहत रायपुर एवं कोरबा जिलों के लिए जारी संशोधित भूमि गाइडलाइन को लेकर रियल एस्टेट क्षेत्र, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं व्यवसायिक संगठनों में उत्साहजनक माहौल है। नई गाइडलाइन को जनहितकारी बताते हुए छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन सहित विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने रायपुर स्थित वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के शासकीय निवास पहुंचकर उनसे सौजन्य मुलाकात की और आभार व्यक्त किया। क्रेडाई द्वारा 30 जनवरी 2026 से प्रदेश में लागू संशोधित भूमि गाइडलाइन के लिए वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी का सम्मान किया गया। एसोसिएशन ने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर एवं आम नागरिकों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा गाइडलाइन दरों में यथार्थपरक एवं संतुलित संशोधन किया गया है। इससे प्रदेश में मकान, प्लॉट एवं अन्य अचल संपत्तियों के क्रय-विक्रय में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मयंक आहुजा, सचिव श्री विक्रांत डोसी, कोषाध्यक्ष श्री दीपक जैन सहित राज्य सलाहकार समिति के सदस्य श्री हेमंत सेठिया, श्री गुरुदास सत्रे, श्री योगेश बोथरा, श्री विनोद छिपा, श्री मनोज महंती एवं श्री संजय निलांजने उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नई भूमि गाइडलाइन से जमीन की दरों में संतुलन स्थापित हुआ है, जिससे आम नागरिकों, मध्यम वर्ग, किसानों एवं व्यापारियों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से आवास, व्यवसाय तथा औद्योगिक निवेश से जुड़े कार्यों में अब अधिक सुगमता और स्पष्टता आएगी। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता आमजन के हितों की रक्षा करते हुए विकास को गति देना है। भूमि गाइडलाइन का निर्धारण व्यापक विचार-विमर्श, स्थानीय परिस्थितियों एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि निवेश को प्रोत्साहन मिले और जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सभी नीतिगत निर्णयों में जनहित सर्वोपरि रहेगा। प्रतिनिधिमंडलों एवं एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया कि शासन के इस निर्णय से रियल एस्टेट क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी, निवेशकों का विश्वास मजबूत होगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

शासन की कृषक हितैषी नीतियों से किसानों में सरकार के प्रति बढ़ा विश्वास

अकृषक मनमोहन वर्मा धान खरीदी से प्राप्त राशि से करेंगे अपने बेटा-बेटी का विवाह

- किसानों ने धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद
- किसानों ने रबी फसल की खरीदी के लिए खुशी जाहिर की
- धान खरीदी के लिए उपार्जन केन्द्रों में अच्छी व्यवस्था की प्रशंसा की

रायपुर/ संवाददाता

शासन की कृषक हितैषी नीतियों से किसानों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। मेहनतकश किसानों के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है और उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली आयी है। जिले में खेती किसानी कार्यों के प्रति जनमानस का रूझान बढ़ा है। शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक के मान से धान खरीदी की गई। धान उपार्जन केन्द्र तुमड़ीबोड़ में अपने धान की बिक्री करने आए ग्राम बोदेला के कृषक श्री राजेन्द्र लिल्हारे ने बताया कि उनके पास कृषि भूमि है और उन्होंने 24 क्विंटल धान की बिक्री की है। उन्होंने कहा कि धान की बिक्री के लिए धान उपार्जन केन्द्र तुमड़ीबोड़ में बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। उन्होंने संतुष्टि जाहिर करते हुए बताया कि धान बिक्री के बाद राशि जल्दी मिलने से प्रसन्नता है। उन्होंने बताया कि वे चने की फसल भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा रबी की फसल की भी खरीदी की जाएगी। यह एक अच्छी पहल है, इसके लिए उन्होंने खुशी जाहिर की। ग्राम खैरी के कृषक श्री मनमोहन वर्मा आज 60 किलो धान बिक्री के लिए लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि उनके पास 28 एकड़ कृषि भूमि है और इस वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि से आगामी ग्रीष्म ऋतु में अपने बेटा-बेटी का विवाह करेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना से उनका जीवन स्तर अच्छा हुआ है और घर में खुशहाली आयी है। 4 एकड़ कृषि भूमि में उन्होंने खरबूजे की फसल लगाई है। शासन की ओर से सिंचाई के लिए ड्रिप मशीन प्राप्त हुई है।

संपादकीय

संदेश नाकारात्मक है

जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, जीएसपी के तहत मिली छूट की सुविधा हटाने के ईयू के कदम से नकारात्मक संदेश गया है। भारतीय उत्पादों से सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) के तहत मिली छूट को हटा लेने के यूरोपियन यूनियन (ईयू) के फैसले पर केंद्र ने कहा है कि भारतीय निर्यात पर इसका ज्यादा असर नहीं होगा। सरकार का दावा है कि इससे भारत के सिर्फ 2.66 प्रतिशत निर्यात प्रभावित होंगे। जबकि ईयू मुख्यालय से आई खबरों में बताया गया है कि जीएसपी छूट वापस होने से वस्त्र, प्लास्टिक, धातु, इंजीनियरिंग साग्रियां सहित लगभग 87 फीसदी भारतीय निर्यात यूरोपीय बाजार में बांग्लादेश या वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के उत्पादों की तुलना में महंगे हो जाएंगे। जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, बेशक ईयू के इस कदम से नकारात्मक संदेश गया है। एक समझ यह है कि इससे व्यापार वार्ता में भारत की स्थिति कमजोर हुई है। जो छूट दशकों से हासिल थी, उसे बहाल कराना भी अब इस वार्ता में भारत का एक मकसद हो जाएगा। दूसरी तरफ उन रियायतों को ईयू भारत के लिए नई छूट के रूप में पेश कर सकता है। पहले ही सहमति ना बनने के कारण कृषि एवं निवेश संरक्षण जैसे क्षेत्रों को फिलहाल प्रस्तावित समझौते से अलग रखने का फैसला हुआ है। ईयू के कार्बन टैक्स का मुद्दा अभी अनसुलझा है। इस बीच मदर ऑफ ऑल डील्स तथा रक्षा एवं सुरक्षा समझौता होने जैसी बातें कही जरूर गई हैं। मगर यह भी साफ किया गया है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाली भारत- ईयू शिखर बैठक के दौरान समझौतों पर दस्तखत नहीं होंगे। इस बारे में सिर्फ आम सहमति बनने की घोषणा ही अपेक्षित है। गौरतलब है कि ईयू से मुक्त व्यापार समझौते की बात दशक पुरानी हो चुकी है। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में बने अमेरिकी दबाव के कारण ईयू और भारत दोनों नए सहभागी ढूंढने को मजबूर हुए हैं, तो इस वार्ता को तरजीह मिली है। मगर अड़चनें अभी बरकरार हैं। इसी बीच ईयू ने जीएसपी सुविधा हटा कर अटकलों को हवा दी है। ऐसा जानबूझ कर किया गया या नहीं, इस बारे में फिलहाल कयास लगाए जा रहे हैं।

बुजुर्गों की सेवा में 'समय बैंक'

विनीत नारायण

स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत 'समय खाते' में जमा किया जाता है।

भारत जैसे देश में, जहां बुजुर्गों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है और पारंपरिक परिवार संरचना कमजोर पड़ रही है, बुजुर्गों की देखभाल एक बड़ी चुनौती बन गई है। सरकारी पेंशन योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम तो हैं, लेकिन वे अक्सर अपर्याप्त साबित होते हैं। ऐसे में, स्विट्जरलैंड की 'समय बैंक' अवधारणा एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत करती है, जो न केवल बुजुर्गों की देखभाल को सुनिश्चित करती है बल्कि समाज में सहानुभूति और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करती है। यह अवधारणा, जो स्विट्जरलैंड के संघीय सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित की गई है, युवाओं को बुजुर्गों की सेवा करने का अवसर देती है और बदले में उन्हें भविष्य में खुद की देखभाल के लिए 'समय' जमा करने की अनुमति देती है। भारत सरकार को इस मॉडल को अपनाने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सांस्कृतिक मूल्यों से मेल खाता है और आर्थिक बोझ को कम कर सकता है।

स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत 'समय खाते' में जमा किया जाता है।

जब व्यक्ति खुद बुजुर्ग हो जाता है या बीमार पड़ता है, तो वह इस जमा समय को निकाल सकता है और अन्य स्वयंसेवक उसकी देखभाल करेंगे। यह प्रणाली न केवल पैसे की बचत करती है बल्कि मानवीय संबंधों को भी मजबूत करती है।

कल्पना कीजिए, एक युवा व्यक्ति जो सप्ताह में दो बार दो घंटे बुजुर्गों की सेवा करता है। एक साल बाद, 'समय बैंक' उसके कुल सेवा समय की गणना करता है और उसे एक 'समय बैंक कार्ड' जारी करता है। इस कार्ड से वह भविष्य में 'समय और समय ब्याज' निकाल सकता है। यानी, जमा समय पर ब्याज भी मिलता है, जो प्रोत्साहन का काम करता है। स्विट्जरलैंड में यह प्रथा अब सामान्य हो गई है और सरकार ने इसे समर्थन देने के लिए कानून भी पारित किया है। यह मॉडल पेंशन व्यय को कम करता है और समाज को अधिक सहयोगी बनाता है।

भारत में इस अवधारणा को लागू करने की संभावनाएं अपार हैं। एक अनुमान के तहत, 2030 तक हमारे देश में बुजुर्गों की आबादी 19 करोड़ से अधिक हो जाएगी और कई परिवारों में बच्चे शहरों में बस जाते हैं, जिससे बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। पारंपरिक रूप से, भारत में बुजुर्गों की देखभाल परिवार की जिम्मेदारी रही है, लेकिन आधुनिकीकरण ने इस संरचना को प्रभावित किया है। 'समय बैंक' जैसा कार्यक्रम युवाओं को प्रोत्साहित कर सकता है कि वे बुजुर्गों की सेवा करें और बदले में उन्हें सुरक्षा का आश्वासन मिले। यह न केवल सरकारी संसाधनों पर दबाव कम करेगा बल्कि बेरोजगार युवाओं को सार्थक कार्य प्रदान करेगा। उदाहरण के लिए, स्विट्जरलैंड की एक कहानी से प्रेरणा लें। वहां एक 67 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका क्रिस्टीना एक 87 वर्षीय बुजुर्ग की देखभाल करती थीं। उन्होंने कहा कि वह पैसे के लिए नहीं, बल्कि 'समय बैंक' में समय जमा करने के लिए ऐसा कर रही थीं। जब वे खुद घायल हुईं, तो 'समय बैंक' ने तुरंत एक नर्सिंग कार्यकर्ता भेजा, जो उनकी देखभाल करने लगा। कुछ दिनों में वे स्वस्थ हो गईं और फिर से सेवा में लग गईं। यह कहानी दर्शाती है कि कैसे यह प्रणाली व्यावहारिक और प्रभावी है। भारत में भी, यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसा कार्यक्रम शुरू करें, तो लाखों बुजुर्गों का जीवन बेहतर हो सकता है। हालांकि, भारत में इसे लागू करने से पहले कुछ चुनौतियों पर विचार करना जरूरी है।

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना।

देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

आर्थिक सर्वेक्षण से बजट तक: भविष्य के भारत की तलाश

ललित

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत किया जाने वाला बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि वह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और भविष्य की संभावनाओं का दर्पण होता है। आज जब भारत एक ओर तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है और दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, जलवायु संकट और तकनीकी परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह बजट और भी अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। व्यक्तिगत नागरिक से लेकर व्यापारी, उद्योगपति, किसान, श्रमिक, युवा और मध्यम वर्ग-सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे न केवल वर्तमान वर्ष की आर्थिक तस्वीर, बल्कि भविष्य के भारत की झलक भी मिलती है।

बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण ने सरकार की सोच और नीति-दृष्टि के कई संकेत दिए हैं। इसमें विकास को केवल आंकड़ों की वृद्धि तक सीमित न रखकर अवसरों के विस्तार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक स्थिरता पर जोर दिया गया है। यह स्वीकार किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां अवश्य हैं, किंतु उनसे अधिक संभावनाएं हैं। यही दृष्टिकोण इस बजट का मूल स्वर होना चाहिए-चुनौतियों को अवसरों में बदलने का साहसिक प्रयास।

सबसे पहली और महत्वपूर्ण अपेक्षा निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने को लेकर है। किसी भी अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती तभी आती है जब उसके सबसे निचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मानजनक जीवन जी सके और उपभोग में भागीदार बने। यदि निम्न आय वर्ग की आय बढ़ती है, उसे सस्ती और सुलभ सुविधाएं मिलती हैं, तो उसका सीधा प्रभाव मांग पर पड़ता है और मांग बढ़ने से उत्पादन, निवेश और रोजगार-तीनों को गति मिलती है। इसलिए इस बजट में प्रत्यक्ष नकद अंतरण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च के साथ-साथ रोजगार सृजन के ठोस उपाय अपेक्षित हैं। मनरेगा जैसे कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण, शहरी गरीबों के लिए भी समान प्रकृति की योजनाएं और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

शहरी विकास इस बजट का एक और प्रमुख केंद्र होना चाहिए। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और शहरों पर जनसंख्या, आवास, परिवहन, जल, स्वच्छता और पर्यावरण का दबाव लगातार बढ़ रहा है। केवल बड़े महानगरों पर निर्भरता अब व्यावहारिक नहीं रही। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा द्वारा सुझाया गया शहरी विकेंद्रीकरण का विचार आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। छोटे और मध्यम शहरों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाना, उद्योगों और सेवाओं को वहां प्रोत्साहित करना, न केवल महानगरों पर बोझ कम करेगा बल्कि क्षेत्रीय असंतुलन को भी घटाएगा। बजट में यदि टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए विशेष शहरी अवसंरचना पैकेज, परिवहन नेटवर्क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास योजनाएं लाई जाती हैं, तो यह दूरगामी परिवर्तन का आधार बन सकता है।

वैश्विक स्तर पर टैरिफ, व्यापार अवरोध और संरक्षणवाद की प्रवृत्तियां भारत के लिए चुनौती भी हैं और अवसर भी। अजय बंगा का यह कथन कि टैरिफ पर अधिक चिंता करने के बजाय व्यापारिक अवसरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए, भारत की वर्तमान स्थिति के लिए उपयुक्त दृष्टि प्रदान करता है। भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, डिजिटल क्षमताएं और उद्यमशीलता की प्रबल ऊर्जा है। यदि यह बजट निर्यात-उन्मुख उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू-एडेड सेक्टर को प्रोत्साहन देता है, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और मजबूत स्थान बना सकता है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारों से आगे ले जाकर व्यावहारिक नीति समर्थन की आवश्यकता है-सरल कर संरचना, आसान ऋण, अनुसंधान एवं नवाचार में निवेश और व्यापार करने में सुगमता के माध्यम से।

इस संदर्भ में मध्यम वर्ग की भूमिका को नजरअंदाज करना आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती होगा। मध्यम वर्ग किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है-वह सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है और सबसे बड़ा करदाता भी। विडंबना यह है कि बजट चर्चाओं में अक्सर यही वर्ग अपेक्षाकृत उपेक्षित रह जाता है। बढ़ती महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च, आवास ऋण और करों का बोझ मध्यम वर्ग की बचत और उपभोग दोनों को प्रभावित करता है। यदि इस बजट में आयकर स्लैब में तर्कसंगत सुधार, शिक्षा-स्वास्थ्य पर कर राहत और आवास को प्रोत्साहन जैसे कदम उठाए जाते हैं, तो इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि मांग-आधारित विकास को भी बल मिलेगा।

उद्योगों और व्यापार जगत के लिए बजट से अपेक्षा है कि वह स्थिर और पूर्वानुमेय नीति वातावरण प्रदान करे। निवेशक अनिश्चितता से डरते हैं। कर नीति में बार-बार बदलाव, अनुपालन की जटिलता और नियामक अस्पष्टता निवेश को बाधित करती है। इस बजट में यदि दीर्घकालिक कर-नीति का स्पष्ट संकेत, एमएसएमई सेक्टर के लिए सस्ता ऋण, तकनीकी उन्नयन के लिए प्रोत्साहन और हरित उद्योगों के लिए विशेष पैकेज दिए जाते हैं, तो यह उद्योगों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, उसे आर्थिक पुनरुत्थान का केंद्र बनाया जाना चाहिए। भविष्य के भारत की कल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं हो सकती। इसमें पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में हरित ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन और टिकाऊ कृषि को बजट में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि नए उद्योगों और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश भविष्य की कार्यशक्ति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, जबकि स्वास्थ्य पर खर्च एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखेगा। अंततः यह बजट एक संतुलन की परीक्षा है-राजकोषीय अनुशासन और विकासात्मक खर्च के बीच, अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक सुधारों के बीच, तथा विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं के बीच। यदि यह बजट निम्न वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ाने, मध्यम वर्ग को राहत देने, शहरी विकेंद्रीकरण को गति देने और वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदलने की स्पष्ट दिशा देता है, तो यह केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम का घोषणापत्र बन सकता है। देश को आज ऐसे ही बजट की आवश्यकता है-जो आशा जगाए, विश्वास पैदा करे और भविष्य के प्रति एक सकारात्मक, साहसिक दृष्टि प्रस्तुत करे।

भारत में ही सबसे पहले गणतंत्र था

अशोक प्रवृद्ध

बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं ज ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार 'गण' शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे।

गौरव की बात है कि भारत में गणतंत्र की अवधारणा केवल 1950 से शुरू नहीं होती, बल्कि इसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता, वैदिक संस्कृति और इतिहास में बहुत गहराई तक फैली हुई हैं। पूरे विश्व को गणतंत्र का पाठ सबसे पहले इसी धरती से मिला। हमारे ही देश में सर्वप्रथम गणतंत्र स्थापित हुआ, जिसकी सफलता ने संसार का ध्यान अपनी ओर खींचा। ऋग्वेद और अथर्ववेद में गण, सभा और समिति जैसी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है, जो लोकतांत्रिक ढंग से निर्णय लेती थीं। 'गण' शब्द का अर्थ ही जनता का समूह है, जहाँ शासक का चयन योग्यता के आधार पर होता था।

इतिहास के प्रमाण बताते हैं कि बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और भारत विभाजन की पीड़ा के बाद 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ हमारा संविधान आधुनिक भले ही हो, लेकिन उसकी आत्मा में 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसी प्राचीन भारतीय भावनाएँ समाई हुई हैं। संविधान निर्माताओं ने पश्चिमी मॉडलों के साथ-साथ भारत की अपनी सांस्कृतिक विरासत और पंचायत परंपरा को भी महत्व दिया।

यह दिन केवल संविधान के लागू होने का उत्सव नहीं है, बल्कि उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर भी है, जिन्होंने एक स्वतंत्र और संप्रभु भारत का सपना देखा था। 26 जनवरी का यह राष्ट्रीय पर्व हमें याद दिलाता है कि हम एक ऐसी महान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं, जिसने दुनिया को लोकतंत्र की दिशा दिखाई। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ यह सिद्ध करती हैं कि भारत में लोकतंत्र कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि हमारी अपनी मिट्टी और वेदों की मौलिक देन है। यह भी सच है कि संविधान निर्माताओं ने इस व्यवस्था की प्रेरणा पवित्र वेदवाणी से ही ली। यह भारतीय गणतांत्रिक परंपरा की ऐतिहासिक जड़ों को उजागर करता है और साबित करता है कि लोकतंत्र और गणतंत्र की अवधारणाएँ भारत में सहस्राब्दियों पहले से मौजूद थीं। संसार के आदिग्रंथ ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार 'गण' शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे। समिति आज की संसद या लोकसभा जैसी थी, जहाँ जनता और प्रतिनिधि नीति-निर्धारण के लिए एकत्र होते थे, जबकि सभा राज्यसभा या विद्वत परिषद की तरह कार्य करती थी, जहाँ अनुभवी लोग परामर्श और न्याय का दायित्व निभाते थे।

ऋग्वेद का वह मंत्र, जिसमें एकमत होकर निर्णय लेने की प्रार्थना की गई है, आधुनिक आम-सहमति के सिद्धांत का प्राचीनतम रूप माना जा सकता है। बौद्ध ग्रंथों में भगवान बुद्ध के समय शलाका अर्थात मतपत्र द्वारा मतगणना का उल्लेख मिलता है, जो यह स्पष्ट करता है कि भारत में मतदान की प्रक्रिया अत्यंत विकसित थी। गण और संघ के माध्यम से बहुमत के आधार पर निर्णय लेना हमारी प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक था। बाद में कुछ कारणों से व्यवस्था राजतंत्र की ओर मुड़ गई, लेकिन भारत की मूल चेतना हमेशा गणतांत्रिक बनी रही। आज की पीढ़ी के लिए यह प्राचीन भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था अत्यंत प्रेरक है, क्योंकि अक्सर यह मान लिया जाता है कि लोकतंत्र पश्चिम की देन है। वास्तव में गण से गणतंत्र तक की यात्रा भारत की अपनी यात्रा है। इससे हम 26 जनवरी के वास्तविक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझ सकते हैं।

माघ पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी इन उपाय से होंगी प्रसन्न

1 फरवरी को है माघ मास का अंतिम दिन माघ पूर्णिमा। इस दिन स्नान, दान और तर्पण का खास महत्व होता है। इस दिन खास उपाय करके माता लक्ष्मी को प्रसन्न किया जा सकता है।

- **स्नान :** पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु सहित देवी लक्ष्मी की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।
- **मंत्र जाप :** पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है।
- **पीली सामग्री करें दान :** इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित कर खीर का भोग लगाने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **दीपदान :** माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। तुलसी के नीचे घी का दीया जलाने से भी मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
- **श्रीसूक्त का पाठ :** माघ पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी की विधिवत पूजा करके श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होकर जातक को आशीर्वाद देती हैं।

माघ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान से मिलती है भगवान श्री विष्णु की कृपा

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है।

दान का मिलता 32 गुना फल

माघ पूर्णिमा के दिन दान-दक्षिणा देने से 32 गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बतिसी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है। दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।

माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए। माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं। माघ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को खीर अर्पित करने से चंद्रदेव की कृपा प्राप्त होती है।

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान, दान और तर्पण का महत्व

1 फरवरी को है माघ पूर्णिमा। माघ पूर्णिमा के दिन निम्नलिखित 5 कार्य करने से पापों का नाश होता है और धन लाभ होता है।

- **स्नान का महत्व :** ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान का महत्व :** इस दिन दान-दक्षिणा का बत्तीस गुना फल मिलता है। इसलिए इसे माघी पूर्णिमा के अलावा बतिसी पूर्णिमा भी कहते हैं।
- **तर्पण का महत्व :** माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

फायदे

- स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाम हो जाता है।
- दान करने से सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और जातक मोक्ष को प्राप्त करता है।
- पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं।

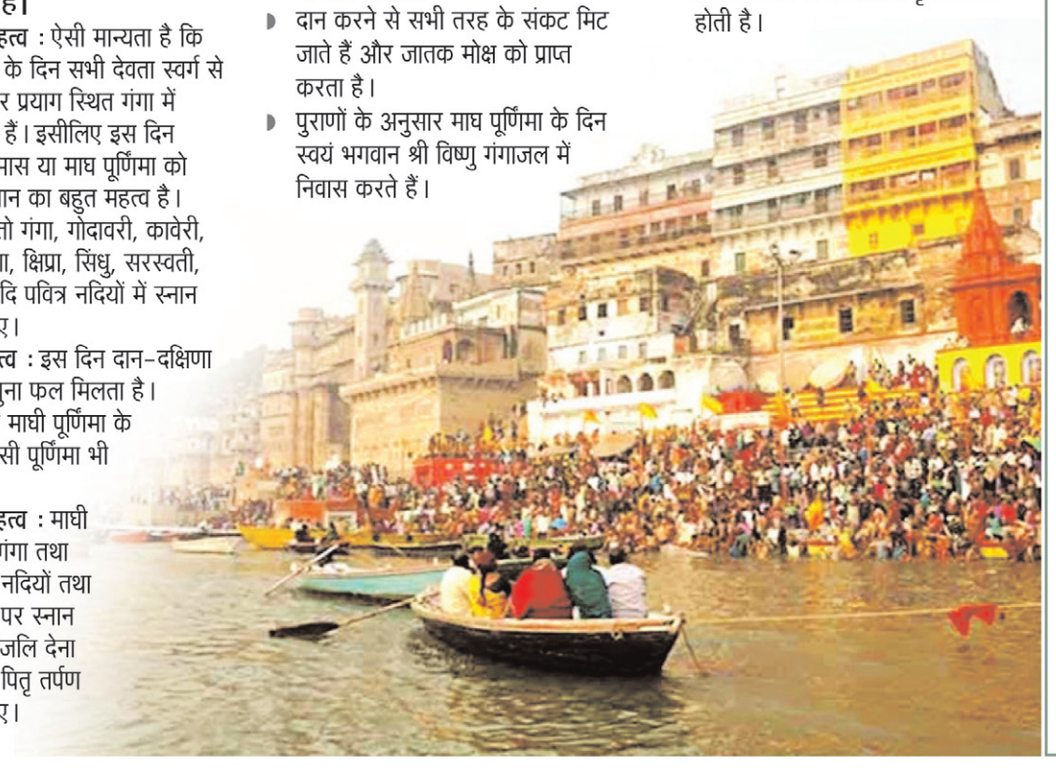

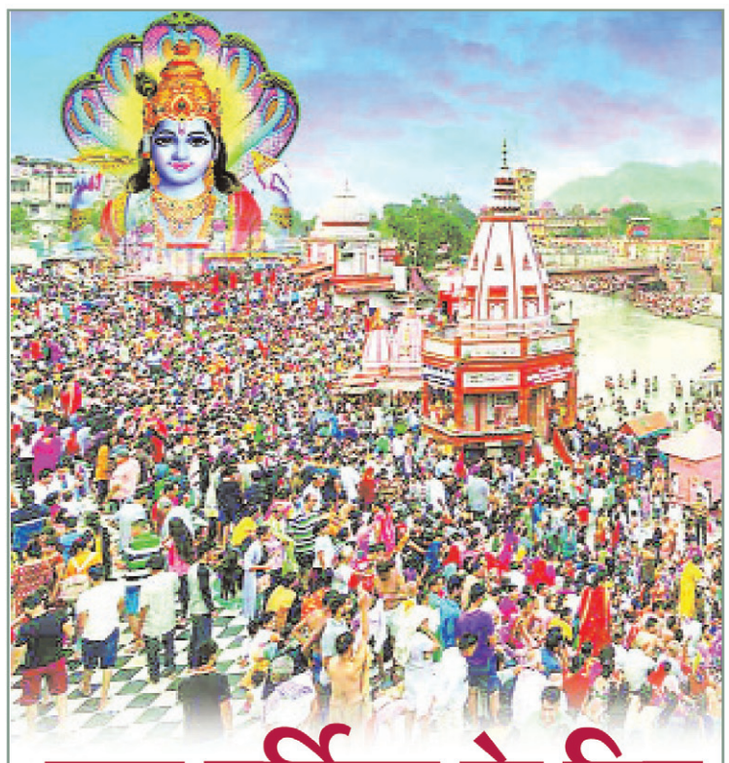

माघ पूर्णिमा के दिन धरती पर आते हैं देवता

माघी पूर्णिमा के दिन संगम पर माघ-मेले में जाने और स्नान करने का विशेष महत्व है। पुराणों के अनुसार माघ माह में पूर्णिमा के दिन देवता धरती पर आते हैं और गंगा में स्नान करते हैं। इस शुभ संयोग में दान-पुण्य और मंत्र से करें उन्हें प्रसन्न।

ऐसी मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सभी देवता स्वर्ग से नीचे उतरकर प्रयाग स्थित गंगा में स्नान करते हैं। इसीलिए इस दिन स्नान माघ मास या माघ पूर्णिमा को संगम में स्नान का बहुत महत्व है। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए क्योंकि मान्यता है इस माह में सभी नदियों का जल गंगा के समान पवित्र हो जाता है। स्नान करने से सभी तरह के पापों का नाशो जाता है। पुराणों के अनुसार माघ पूर्णिमा के दिन स्वयं भगवान श्री विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इस दिन गंगा स्नान करने से विष्णु की कृपा मिलती है तथा धन-संपदा लक्ष्मी, यश, सुख-सौभाग्य तथा उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। माघी पूर्णिमा पर गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों तथा सरोवर तट पर स्नान करके तिलांजलि देना चाहिए तथा पितृ तर्पण करना चाहिए।

माघ पूर्णिमा का मंत्र

पूर्णिमा पर माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करना चाहिए। इससे घर में धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस दिन देवी लक्ष्मी जी को पीले तथा लाल रंग सामग्री अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं।

- ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।'
- ॐ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी नमः।।
- ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्याधिपतये, धन धान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।'
- ॐ विष्णवे नमः। ॐ हूं विष्णवे नमः। ॐ नमो नारायण। ॐ वासुदेवाय नमः।
- ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।
- ॐ शिवाय नमः।
- ॐ सों सोमाय नमः।
- ॐ श्रां श्रीं श्रौं चन्द्रमसे नमः।
- ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः चन्द्रमसे नमः।

स्नान मंत्र

ॐ गङ्गे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन सन्निधिं कुरु।।
श्लोकार्थ : गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा माँ, सिंधु और माँ कावेरी। आप सभी तीर्थ मेरे पानी में आइए में आपका आवाहन करता हूं। मेरे इस पानी को पवित्र जल बनाओ ताकि में इसमें स्नान कर अपने सभी पापों का विनाश कर सकूं।

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है हवन

कई शोध ये बात साबित कर चुके है कि हवन न केवल वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने हैं, बल्कि अच्छी सेहत के लिए भी जरूरी है। हवन के धुएं से प्राण में संजीवनी शक्ति का संचार होता है। हवन के माध्यम से बीमारियों से छुटकारा पाने का जिक्र ऋग्वेद में भी है। हवन के लिए पवित्रता की जरूरत होती है ताकि सेहत के साथ उसकी आध्यात्मिक शुद्धता भी बनी रहे। हवन करने से पूर्व स्वच्छता का ख्याल रखें। हवन के लिए आम की लकड़ी, बेल, नीम, पलाश का पौधा, कलीगंज, देवदार की जड़, गूलर की छाल और पत्ती, पीपल की छाल और तना, बेर, आम की पत्ती और तना, चंदन की लकड़ी, तिल, जामुन की कोमल पत्ती, अश्वगंधा की जड़, तमाल यानि कपूर, लौंग, चावल, ब्राम्ही, मुलैठी की जड़, बहेड़ा का फल और हर्रे तथा घी, शकर जौ, तिल, गुगल, लोभान, इलायची एवं अन्य वनस्पतियों का बूरा उपयोगी होता है। हवन के लिए गाय के गोबर से बनी छोटी-छोटी कटोरियां या उपले घी में डूबो कर डाले जाते हैं। हवन से हर प्रकार के 94 प्रतिशत जीवाणुओं का नाश होता है, अतः घर की शुद्धि तथा सेहत के लिए प्रत्येक घर में हवन करना चाहिए। हवन के साथ कोई मंत्र का जाप करने से सकारात्मक ध्वनि तरंगित होती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, अतः कोई भी मंत्र सुविधानुसार बोला जा सकता है।

माघ पूर्णिमा के दिन इन दो चीजों को जल में मिलाकर करें स्नान, मिलेगा शाही स्नान जितना फल

माघ पूर्णिमा को सभी पूर्णिमा तिथि में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह पूर्णिमा सुख-समृद्धि और उत्तम फलदायी माना जाता है। अब ऐसे में अगर आप माघ पूर्णिमा के दिन सुख-समृद्धि पाना चाहते हैं तो इस दिन स्नान करने के दौरान जल में दो चीजों को डालकर स्नान करना चाहिए।

हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का बहुत अधिक महत्व है। यह तिथि भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी और चंद्र देव को समर्पित है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। कई लोग इस दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा भी करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। अब ऐसे में इस दिन नहाने के पानी में दो चीजें ऐसी है। जिसे डालकर नहाने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में दूध डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और पापों का नाश होता है। यदि आप नदी में स्नान नहीं कर सकते हैं, तो घर पर ही पानी में गंगाजल और दूध मिलाकर स्नान कर सकते हैं। दूध को चंद्रमा का कारक माना जाता है। माघ पूर्णिमा के दिन दूध डालकर नहाने से चंद्रमा मजबूत होता है, जिससे मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है। आपको बता दें, दूध में शांत और शीतल गुण होते हैं। दूध डालकर नहाने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। माघ पूर्णिमा के दिन स्नान का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। ब्रह्म मुहूर्त सूर्योदय से पहले का समय होता है। इस समय स्नान करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

माघ पूर्णिमा के दिन नहाने के पानी में शहद डालकर करें स्नान

माघ पूर्णिमा के दिन स्नान के पानी में शहद मिलाकर नहाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। धार्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यदि आप गंगा नदी में स्नान करने नहीं जा सकते हैं, तो आप घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल और शहद मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

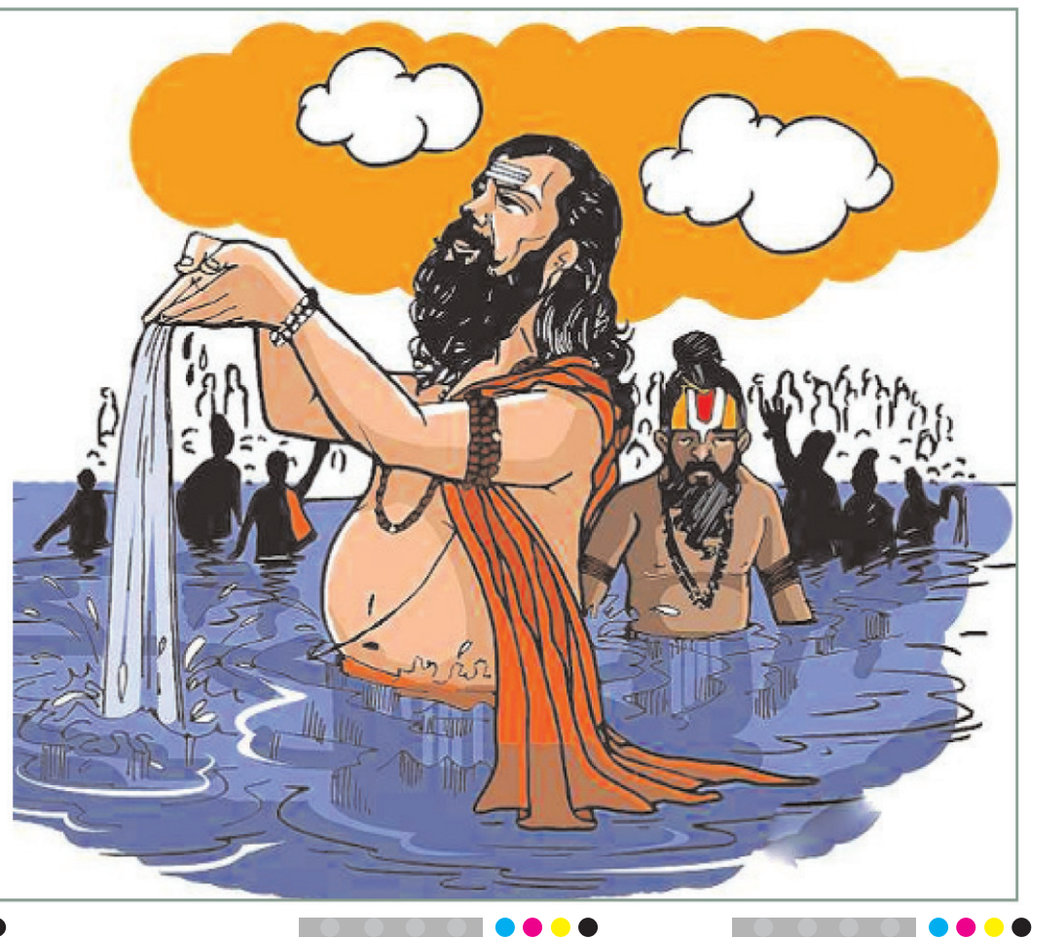

रायपुर के जसमीत सिंह छाबड़ा को राष्ट्रीय सम्मान, प्रदेश में हर्ष और गर्व का माहौल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी जसमीत सिंह छाबड़ा को उनके उत्कृष्ट एवं समाजोपयोगी योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सबसे प्रतिभाशाली वित्तीय एवं बैंकिंग कोच के प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव और सम्मान का विषय भी बन गया है। उनकी इस उपलब्धि से प्रदेश के युवाओं, उद्यमियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों में उत्साह, प्रेरणा और हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। जसमीत सिंह छाबड़ा जी पिछले 23 वर्षों से वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए आमजन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। वे जसमीत छाबड़ा फिंसिंक के माध्यम से सोशल मीडिया पर लाखों लोगों को वित्तीय साक्षरता, निवेश, बैंकिंग जागरूकता एवं आर्थिक नियोजन से जुड़ी उपयोगी और व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उनके प्रयासों से हजारों लोग बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम हुए हैं, जिससे समाज में आर्थिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

उनके प्रभावशाली कार्यों, सतत समर्पण और समाजहित में किए जा रहे योगदान को देखते हुए उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

यह उपलब्धि न केवल रायपुर बल्कि महासमुंद सहित पूरे अंचल के लिए गर्व का विषय मानी जा रही है। सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं नागरिकों ने उनकी इस सफलता को प्रदेश की प्रतिभा की राष्ट्रीय पहचान बताते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। जसमीत सिंह छाबड़ा जी की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और यह संदेश देती है कि निरंतर परिश्रम, ईमानदारी और समाजहित की भावना से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त की जा सकती है।

खबर-खास

सेवानिवृत होने पर भृत्य भोला सिंह यादव को दी गई भावभीनी विदाई

दुर्ग(समय दर्शन)। जिला जनसंपर्क कार्यालय दुर्ग में लंबे समय तक अपनी सेवाएँ देने वाले भृत्य श्री भोला सिंह यादव आज अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर जनसंपर्क परिवार द्वारा एक आत्मीय विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री यादव वर्ष 1992 से मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम शासकीय सेवा में नियुक्त हुए थे। वर्ष 2002 में छ.ग. में राज्य परिवहन बंद किये जाने के बाद वे जनसंपर्क विभाग में सेवाएं दे रहे थे। इसी कड़ी में जिला जनसंपर्क कार्यालय, दुर्ग में पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 31 जनवरी को सेवा निवृत्त हुए। विदाई समारोह में श्री यादव अपनी धर्मपत्नी के साथ सम्मिलित हुए। इस भावपूर्ण अवसर पर संयुक्त संचालक श्री एम.एस. सोरी एवं समस्त कार्यालयीन स्टाफने उनके सेवाकाल के संस्मरण साझा किए। उनके समर्पित कार्यकाल की सराहना करते हुए उपस्थित जनों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की मंगलकामना की। सम्मान स्वरूप उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।

टैक्स जमा करने 5 साल से टाल मटोल करने वालों पर गिरेगी गाज

रिसाली(समय दर्शन)। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने ऐसे बकायादारों की सूची तैयार कराई है जो लंबे समय से टैक्स जमा करने में कोताही बरत रहे है। बकायादारों के घर पर लगे नल कनेक्शन को पहले विच्छेद किया जाएगा। बाद में बकाया टैक्स की राशि वसूल करने कुर्की की जाएगी।

संपत्तिकर विभाग के प्रभारी अधिकारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि कई लोग ऐसे है जो लंबे समय से टैक्स जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। निगम से वे सारी सुविधाएं भी ले रहे। ऐसे लोगो की संख्या पहली सूची में 19 है। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि टैक्स जमा करने धारा 173 के तहत नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के बाद भी टैक्स जमा नहीं करने पर नल कनेक्शन अलग करने की कार्यवाही की जाएगी। राशि जमा नहीं करने पर 174 की नोटिस देकर कुर्की कार्यवाही की जाएगी। मांगरी देवी आजाद मार्केट को 151689 रूपए जमा करने नोटिस थमाया है। इसी तरह बुनिया देवी आजाद मार्केट को 813713 व 2221740, प्रदीप मैत्री नगर को 191548, अखिलेश यादव मैत्री नगर को 130328, शमीम अहमद मैत्री नगर 150497, नवीन सिंह मैत्री नगर को 138078, ओम प्रकाश वर्मा वैभव ट्रेडर्स को 375959, राम ध्रुव विश्वकर्मा स्टेशन मरोदा को 1648681, ओंकार कश्यप स्टेशन मरोदा को 364332, आजाद स्कूल स्टेशन मरोदा को 809353, नवीन सिंह मधुरिशा रेस्टोरेंट को 444939, शेख अहमद को 61211, आर्यावर्त को 827914, सविता गणवीर को 106055, आशीष देशमुख को 76499, वीणा विद्या निकेतन 249142, मोतीलाल ब्रदर्स 113956, उत्तम वर्मा को 57511 रुपए जमा करने 7 दिन को मोहलत दी गई है।

मनरेगा संशोधन के खिलाफयुवा शक्ति का संग्राम,12 को रायपुर में युवा कांग्रेस की युवा महा पंचायत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रेस क्लब राजनांदगांव में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान युवा कांग्रेस ने मनरेगा में प्रस्तावित संशोधनों के खिलाफ व्यापक आंदोलन की घोषणा की। इस अवसर पर बताया गया कि छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा 12 फरवरी 2026 को रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में भव्य युवा महा पंचायत का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में अखिल भारतीय शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के मार्गदर्शन में युवा कांग्रेस राजनांदगांव प्रभारी आदिल आलम खेरानी, सह-प्रभारी एनी पिटर, ग्रामीण प्रभारी संदीप बोरा सहित शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष गुरभेज सिंह माखीजा, जिला ग्रामीण युवा अध्यक्ष महेश सेन, प्रदेश महासचिव मानव देशमुख एवं प्रदेश सचिव पवन तिवारी ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी।

नेताओं ने बताया कि महा पंचायत में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब विशेष रूप से शामिल होंगे।

युवा कांग्रेस नेताओं ने बताया कि यह महा पंचायत प्रदेशभर के उन युवाओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, जिन्होंने पंचायत से लेकर लोकसभा तक विभिन्न चुनावों में भाग लिया है। यह आयोजन विशेष रूप से 40 वर्ष से कम आयु के युवाओं के लिए समर्पित रहेगा। इसमें कांग्रेस के साथ-साथ कांग्रेस विचारधारा से जुड़े निर्दलीय युवाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। आयोजन में प्रदेशभर से लगभग 3000 युवाओं की सहभागिता का अनुमान है। प्रेस वार्ता में यह भी स्पष्ट किया गया कि महा पंचायत में एसटी, एससी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही समाजसेवा और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े सक्रिय युवाओं को मंच प्रदान कर संगठन में सामाजिक प्रतिनिधित्व को और अधिक सशक्त किया जाएगा। इस अवसर पर नेशनल ऑफिस बेयरर फॅर्म के डिजिटल पोस्टर का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। नेताओं ने कहा कि इस पहल से युवा ऑनलाइन माध्यम से सीधे राष्ट्रीय स्तर पर संगठन से जुड़ सकेंगे, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जांजगीर-चांपा जिले में 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत जिले में माहभर सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूकता लाने विभिन्न स्तरों पर नुक्कड़ नाटक, गीत, भाषण, कविता, रंगोली एवं चित्रकला जैसी प्रतियोगिताएं स्कूलों में आयोजित की गई। साथ ही यातायात पुलिस द्वारा यातायात जागरूकता रैली, स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर तथा लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय की उपस्थिति में जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने नागरिकों से यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का नियमित उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन न चलाना तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करना जैसे छोटे-छोटे कदम बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा उपायों को अपने जीवन में अपनाने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि का प्रमुख कारण यातायात नियमों की अनदेखी और लापरवाही है।

महापौर बाघमार को जन्मदिन पर सुबह से बधाइयों का तांता

मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय,शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं ने दूरभाष पर दी शुभकामनाएं

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार को उनके जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। सुबह से ही सिविल लाइन गौरव पथ स्थित उनके आवास एफ्रुु4 में शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा।

अपने लोकप्रिय नेता के जन्मदिन को यादगार बनाने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने विभिन्न तरीकों से खुशियां मनाईं। किसी ने केक कटवाया तो किसी ने मिठाइयाँ बांटी।जन्मदिन के स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओ द्वारा आतिशबाजी की गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा आतिशबाजी भी की गई। शुभचिंतकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर महापौर को जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

महापौर अलका बाघमार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी मुख्यमंत्री अरुण साव, डिप्टी मुख्यमंत्री विजय शर्मा,भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय,स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दूरभाष पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इसके अलावा ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्यगण नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, लीना दिनेश देवांगन,ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शिव नायक, नीलेश अग्रवाल, लीलाधर पाल, शशि साहू, श्रीमती हर्षिका संभव जैन, पूर्व विधायक अरुण वोरा,आर.एन. वर्मा,अरुण सिंह,मनमोहन शर्मा सहित भाजपा, कांग्रेस एवं निर्दलीय पार्षदगण, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी व भाजपा जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ भाजपा नेता, मंडल अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ नेता महापौर निवास पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

महापौर के जन्मदिन को लेकर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। संगठनों के प्रतिनिधियों ने महापौर आवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन पर मिले अपार स्नेह और शुभकामनाओं के लिए महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं शहर की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत गांवों में चौपाल लगाकर मजदूरों से सीधे संवाद कर रही विधायक चातुरी नंद

महासमुंद जिला के अभियान प्रभारी कन्हैया अग्रवाल रहे विशेष रूप से उपस्थित

नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली (समय दर्शन)। मजदूरों के हितों की रक्षा एवं उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए सतत संघर्ष के संकल्प के साथ आज मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुंडपहार एवं कुसमीसरार में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जनचौपाल में महासमुंद जिले के अभियान प्रभारी श्री कन्हैया अग्रवाल जी के साथ क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक चातुरी नंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चातुरी नंद ने कहा कि मनरेगा मजदूरों की आजीविका, सम्मान और रोजगार की गारंटी से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है, जिसे कमजोर करने के किसी भी प्रयास का कांग्रेस पार्टी डटकर विरोध करेगी। मजदूरों को समय पर रोजगार, पूरी मजदूरी और उनके अधिकार दिलाने के लिए कांग्रेस सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार ने मनरेगा कानून में बदलाव कर मजदूरों के अधिकारों को कुचलने का काम किया है। पूंजीवादी भाजपा सरकार शुरू से ही मजदूरों का शोषण कर रही है और इसी कड़ी में मनरेगा कानून में बदलाव कर मजदूरों के हक पर डाका डालने का काम किया है। कार्यक्रम को महासमुंद जिले के अभियान प्रभारी कन्हैया अग्रवाल ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से मनरेगा शुरू की थी। मनरेगा के माध्यम से विगत कई वर्षों से मजदूरों को रोजगार देने का काम किया जा रहा था परंतु नए कानून में बदलाव कर उन प्रावधानों को शिथिल किया गया है जिससे मजदूर अब रोजगार से वंचित होंगे। चौपाल कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छुईपाली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तन्मय पंडा, मण्डल अध्यक्ष रूपानंद पटेल, हीरालाल साहू, निर्मल प्रधान, सत्यनंद साहू, विनोद साहू, महेंद्र महापात्र, दीपक साहू (विधायक प्रतिनिधि), भरत मेश्राम, डुमरपाली सरपंच प्रतिनिधि, गोकुल भोई, श्याम सुंदर पंडा, सुशील प्रधान, सेसदेव बेहरा, धनेश्वर चौधरी, शिव प्रसाद बारिक, जयकृष्ण चौधरी, सुशील चौधरी, चमरू भोई, सुरेन्द्र साहू, सुरेन्द्र साहू (बाबा), हरीश साहू, दिव्यकिशोर भोई, विनय पटेल, गोपरंजन बाघ, सुब्रत साहू (विक्की), चित्रसेन बीसी सहित बड़ी संख्या में कर्मठ कार्यकर्ता, मजदूर एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफसंघर्ष जारी रहेगा और मनरेगा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

शिक्षा और संस्कृति के मंच से निखरता है बच्चों का आत्मविश्वास- विधायक चातुरी नंद

प्राथमिक शाला चेरूडीपा में आयोजित संकुल स्तरीय शालेय वार्षिकोत्सव में शामिल हुआ

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला चेरूडीपा में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। इस आयोजन में विधायक चातुरी नंद बतौर अतिथि शामिल हुईं।

वार्षिकोत्सव के दौरान छात्र्छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों के लिए चयनित छात्र्छात्राओं को विधायक चातुरी नंद द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चातुरी नंद ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच मिलता है तथा उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और रचनात्मकता का विकास होता है। उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए विधायक चातुरी नंद ने गांव में मिनी हाई मास्क लाइट लगाने हेतु 5 लाख रुपये की घोषणा की, जिससे गांव में रात्रिकालीन खेल गतिविधियों एवं सामाजिक आयोजनों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही ग्रामीणों की मांग पर स्कूल अहाता एवं समतलीकरण कार्य करने का आश्वासन विधायक नंद ने दिया। ग्रामीणों की वर्षों पुराने मांग मुख्य मार्ग से गांव की ओर सड़क निर्माण की मांग पर विधायक चातुरी नंद ने जल्द स्वीकृति दिलाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य प्रतिनिधि प्रीतम रिंकू सिदार, विधायक प्रतिनिधि भरत मेश्राम, दीपक साहू, ग्राम पंचायत पुरुषोत्तमपुर सरपंच प्रतिनिधि मनोज भोई, लोहड़ीपुर सरपंच प्रतिनिधि हरीश चंद्र पटेल, संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे, प्राथमिक शाला चेरूडीपा की प्रधान पाठक सत कुमारी चतुर्वेदी, प्रधान पाठक शंकर सिंह सिदार, प्राथमिक शाला ललितपुर प्रधान पाठक गफ्फार खान, राम लखेश्वर चतुर्वेदी, मंगलू मुंडा, पूर्व सरपंच महेंद्र प्रधान, दौक्षित चंद्राकर, घसिया बसंत, कल्प राम मुंडा सहित शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गरियाबंद जिले में एक करोड़ से अधिक राशि के 9 आंगनबाड़ी केंद्र अधूरे, लेकिन 90 प्रतिशत राशि का भुगतान

पीएम जनमन योजना में बड़ा घोटाला

गरियाबंद (समय दर्शन)। केंद्र और राज्य सरकारें आदिवासी बहुल एवं विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, ताकि इन समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा सके। लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत इन योजनाओं पर पलीता लगा रही है। ऐसा ही एक गंभीर मामला गरियाबंद जिले से सामने आया है, जहां प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत 9 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण में भारी गड़बड़ी और अनियमितता सामने आई है।

दो साल बीतने के बाद भी एक भी आंगनबाड़ी पूर्ण नहीं,,,,,,जानकारी के अनुसार वर्ष 2024ङ्25 में जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए 9 नए आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए थे। प्रत्येक केंद्र के निर्माण के लिए 11.69 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी कार्यालय सहायक आयुक्त को दी गई। जब कि ये कार्य अन्य निर्माण एजेंसी या पंचायत को भी दिया जा सकता था। इधर, समयावधि (3 माह) समाप्त होने के बावजूद एक भी आंगनबाड़ी केंद्र आज तक पूर्ण नहीं हो सका। 18 महीने बाद भी स्थिति यह है कि कई स्थानों पर प्लिंथ लेवल के बाद का कार्य नहीं हुआ तो कहीं थोड़ी बहुत दीवाल उठा रखी है। जिसके बाद से काम बंद है।

काम अधूरा, भुगतान पूरा

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि बिना कार्य पूर्ण किए ही ठेकेदार को लगभग 90 प्रतिशत भुगतान कर दिया गया। यह भुगतान कथित रूप से संबंधित अधिकारियों के संरक्षण में किया गया। सूत्रों के मुताबिक विभाग के कर्मचारी ये भली भांति जानते थे कि ये नियम विरुद्ध भुगतान है, लेकिन प्रभारी सहायक आयुक्त नवीन भगत ने दबाव बनाकर राशि आहरण करवा दी। करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में कार्य पूरा दिखाया जा रहा है। अब सवाल उठता है की ठेकेदार और अधिकारी के बीच आपसी क्या बातचीत हुई की उन्होंने बिना कार्य पूर्ण किए ही भुगतान कर दिया। यह जांच का विषय है।

सूत्रों के अनुसार यह कार्य रायपुर निवासी योगेश बंसल को मिला है। क्रांति ट्रेडर्स और अजय राठौर नाम की दो फर्म के माध्यम से उन्होंने ये ठेका प्राप्त किया है। बताया जाता है कि योगेश बंसल का नाम इसमें हिडन है, वे सीधे तौर पर तो सामने नही है, लेकिन इस कार्य से जुड़े सभी कार्य के लिए वे खुद ही विभागीय अधिकारी और कर्मचारियों से मिलते रहे।

आदिवासी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आदिवासी और पिछड़ी जन जाति के बच्चों के विकास और शिक्षा के लिए बनी योजना को भ्रष्टाचार की भेंट क्यों चढ़ाया गया?

बिना निर्माण पूर्ण हुए ठेकेदार को 90 प्रतिशत राशि का भुगतान कर दिया गया, जबकि कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। जिला प्रशासन के संज्ञान में मामला होने के बाद भी अब तक जिम्मेदार अधिकारी पर ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। जो संदेह का कारण है।

जानकारी के मुताबिक ये आंगनबाड़ी मैनपुर ब्लॉक में भाटड़ूमा, कोटखोझरी, खरसेपारा बनियापारा, गोलामाल सिहंगपारा-01, छोटेनवारा एवं कुहीमाल में बनने थे। इसी क्रम में ब्लॉक गरियाबंद में भेजराडीह उपरपारा, ब्लॉक देवभोग में उरली नवापारा तथा ब्लॉक छुरा में कोकड़ीखोड़ा आंगनबाड़ी केंद्र में भवन निर्माण किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे ने बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत नव आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए कार्यालय सहायक आयुक्त को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया था। महिला बाल विकास विभाग ने मार्च से जून के बीच दो किस्तों में 11.69 लाख प्रति आंगनबाड़ी के हिसाब से 1 करोड़ 5 लाख की राशि भी हस्तांरित कर दी। अभी तक एक भी आंगनबाड़ी पूर्ण नहीं हुए हैं ना ही विभाग को हैंड ओवर किया गया है।

बिना भवन पूर्ण हुए 90 प्रतिशत भुगतान कैसे हुआ? किसके आदेश से भुगतान स्वीकृत किया गया? निरीक्षण रिपोर्ट किसने दी? इस संबंध में कार्यालय सहायक आयुक्त से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका।

बिना काम पूरा किए भुगतान कैसे लिया?कार्य अब तक पूरा क्यों नहीं हुआ? काम करेंगे या नहीं यह जानने ठेकेदार योगेश बंसल से सम्पर्क करने पर कहा कि उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक काम पूरा करने का लक्ष्य है।

खबर-खास

गांजा बिक्री करते एक बी-जामगांव की महिला को बालोद पुलिस ने किया गिरफ्तार

बालोद (समय दर्शन)। ग्राम बी-जामगांव में एक महिला अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु अपने घर में रखे हुए हैं कि सूचना तस्दीक हेतु ग्राम बी जामगांव धनेश्वरी शर्मा के घर जाकर पुछताछ करने पर अपना नाम धनेश्वरी शर्मा पति अमित शर्मा उम्र 26 वर्ष निवासी बी जामगांव थाना व जिला बालोद का रहने वाली बताई, जिनसे तलाशी लेने की सहमति प्राप्त होने पर आरोपियां धनेश्वरी शर्मा के घर बाड़ी बाथरूम के सामने खाट निवाड़ के अंदर एवं बाथरूम के पीछे जगह से तीन कैरी थैला मिला पहला कैरी थैला के अंदर पांच सफेद चीप पैकेट पालीथिन के अंदर गांजा, दो कैरी थैला के अंदर हरे रंग का झिल्ली के अंदर अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला, आरोपियां से पुछताछ करने पर उक्त गांजा को घर में बिक्री हेतु रखना बताई, आरोपियां के कब्जे से मिले गांजा का तौल करने पर कुल गांजा का वजन 607 ग्राम कीमती 27,500 रू होना पाया गया, आरोपियां से मिले गांजा एवं बिक्री रकम 1,000 रू को मौके पर गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपियां के विरूध्द थाना बालोद में अपराध क्रमांक 57/2026 धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत् अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया। आरोपियां को विधिवत दिनांक 30/01/2026 के 15,25 बजे गिरफ्तार कर दिनांक 31.01.2026 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से गांव में ही शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध

मुंगेली(समय दर्शन)। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को उनके घर के पास डिजिटल सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, इससे ग्रामीणों के पैसे और समय की बचत हो रही है। ग्राम पंडरभट्ठा निवासी श्रीमती गोदावरी पटेल ने बताया कि महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्त करने, बिजली बिल भुगतान आदि कार्य के लिए पहले उन्हें गांव से दूर स्थित सेवा केंद्र तक जाना पड़ता था। समय, मेहनत और खर्च आदि की परेशानी बनी रहती थी, लेकिन अब ग्राम पंचायत पंडरभट्ठा में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र खुल जाने से यह समस्या समाप्त हो गई है।

अब श्रीमती गोदावरी पटेल अपने ही गांव में सुरक्षित और सहज तरीके से महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्त कर रही हैं। इतना ही नहीं, इस केंद्र के माध्यम से उन्हें बिजली बिल भुगतान, विभिन्न शासकीय सेवाओं और अन्य डिजिटल सुविधाओं का भी लाभ मिल रहा है। इससे उनका समय बच रहा है और बार-बार दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है।श्रीमती गोदावरी पटेल ने बताया कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से गांव में ही शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इससे खासकर महिलाओं को सुविधाएं मिल रही है और ग्रामीण जीवन पहले से अधिक सरल हो गया है। श्रीमती गोदावरी ने शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है। गौरतलब है कि जिले के 240 से अधिक ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है, जहां बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं जैसे नगद आहरण और जमा, यूपीआई के माध्यम से फंड ट्रांसफर और डिजिटल भुगतान, पेंशन और बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड और मुद्रा लोन हेतु आवेदन के साथ ही प्रमाण पत्र और दस्तावेज़ सेवाएं जैसे आय, जाति, और निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भूमि के दस्तावेज़, राशन कार्ड और मतदाता सूची संबंधित कार्य। सहित अन्य सरकारी योजनाओं पीएम किसान, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड के लिए आवेदन, मनरेगा भुगतान,बिजली और पानी के बिल का भुगतान, यात्रा टिकट बुकिंग आदि सुविधाएं मिलती हैं।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजकुमारी जैन पति श्री गौतमचंद जैन, पता- गयानगर, वार्ड नं.-4, गली नं.4, दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001 यह शपथ करती हूँ कि मैने अपना पुराना नाम राजकुमारी को त्याग कर नया नाम राजकुमारी जैन पति श्री गौतमचंद जैन, रख ली हूं, अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम राजकुमारी जैन पति श्री गौतमचंद जैन, से ही जानी व पहचानी जावे।

राजकुमारी जैन
पति श्री गौतमचंद जैन,
पता- गयानगर, वार्ड नं.-4, गली नं.4, दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुंगेली में युवा कांग्रेस की प्रेस वार्ता संविधान आधारित नेतृत्व निर्माण का आह्वान

मुंगेली(समय दर्शन)। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा सोमवार को मुंगेली जिले में राष्ट्रीय पदाधिकारी कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संविधान के मूल्यों से जोड़ते हुए एक सशक्त, जागरूक और जिम्मेदार नेतृत्व तैयार करना था।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुंगेली युवा कांग्रेस सह प्रभारी शहजाद आलम अंसारी ने कहा, यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक पहल है, जो युवाओं को संविधान के सिद्धांतों के साथ राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश छैदईया ने इस अवसर पर बताया कि भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया एनओबी कार्यक्रम उन युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है जो लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के साथ राजनीति में कदम रखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा,यह कार्यक्रम केवल पद पाने का एक माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं को विचारधारा, नीति और जनसेवा से जोड़ने का अभियान है।उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के पदाधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, जन आंदोलनों में सक्रिय कार्यकर्ता और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पदाधिकारी (अनुमति अनुसार) आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और योग्यता आधारित होगी।

प्रदेश सचिव लक्ष्मीकांत भास्कर ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं, ऐसे समय में युवाओं को संविधान की रक्षा के लिए आगे आना होगा।उन्होंने भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस युवाओं को नेतृत्व का अवसर देकर देश के भविष्य को सुरक्षित करने का कार्य कर रही है।

जीवन रेखा फाउंडेशन का लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बेमेतरा (समय दर्शन)। कार्यालय जीवन रेखा फाउंडेशन लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के द्वारा ग्राम बेमेतरा के बेसिक ग्राउंड में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शनिवार 31 जनवरी को किया गया जहां ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच एवं एचआईवी स्क्रीनिंग की गई एवं जीवन रेखा फाउंडेशन के द्वारा एचआईवी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया एवं साथ ही जहां पर ग्रामीण मजदूरों की जांच किया गया साथ ही जहाँ पर हेल्पलाइन नम्बर 1097 की भी जानकारी दी गई साथ ही जिसमें संस्था जीवन रेखा फाउंडेशन के के सभी सदस्य उपस्थित थे ।जहां पर एचआईवी एवं एड्स से बचने के लिए जानकारी प्रदान किया गया जहां पर एचआईवी के फैलने के चार कारण एवं बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया साथ ही सभी को सेक्सुअल ट्रांसमिटेड इनफेक्शन के बारे में जानकारी दिया गया जहां पर जीवन रेखा फाउंडेशन सें परियोजना प्रबंधन डॉ- विकास मेश्राम, डॉक्टर कुश साहु परियोजना सें मूल्यांकन अधिकारी भुनेश्वर गेंदले, एवं काउंसलर आशा चेलक-मिकेश मानिकपुरी, ओआरडब्लू महेश चतुर्वेदी, तारणी वर्मा, हीना साहु नीलम पारधी, नीरज डालिमा सोनी, पियर- तौफीक अली शकुंतला मण्डले,जांम्बाई चे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रिज्म ग्रुप ऑफइंस्टीट्यूशंस द्वारा गर्ल एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए 5 किमी रन का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। शनिवार को प्रिज्म ग्रुप ने गर्ल एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए एक 5 किमी रन का आयोजन किया, जिसमें 300 से अधिक छात्रों और फैकल्टी ने भाग लिया।

इस आयोजन का उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और समाज में शिक्षा के महत्व को उजागर करना था। इस रन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने शिक्षा के महत्व और लड़कियों की शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस रन में आयु के अनुसार 4 श्रेणियां बनाई गई थीं, और हर श्रेणी से तीन विजेताओं को गिफ्ट प्रदान किए गए। इसके अलावा, सबसे कम समय में रन पूरा करने वालों को नकद पुरस्कार दिया गया। कॉलेज की निदेशक, ख्याति साहू जी, ने कहा, हम गर्ल एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस रन के माध्यम से हम समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना चाहते हैं। हम अपने छात्रों और फैकल्टी को इस आयोजन में भाग लेने के लिए धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करेगा।

प्रिस्म ग्रुप के चेयरमैन, श्री रूपेश गुप्ता जी ने कहा, मैं इस आयोजन की सफलता के लिए सभी को बधाई देता हूं। गर्ल एजुकेशन को बढ़ावा देना हमारा उद्देश्य है , इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने अपने संस्थान में कुछ कोर्स में लड़कियों को मुफ्त शिक्षा देने का संकल्प लिया है। इस रन ने हमें इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। मैं सभी प्रतिभागियों और प्रिज्म स्टाफ को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया।

इस आयोजन को सफल बनाने में पूरे प्रिज्म स्टाफने बहुत योगदान दिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कॉलेज के डायरेक्टर असीम साहू ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

साजा। ग्राम पंचायत भवन बेलतरा में एसआईआर सुधार कार्य करते हुए तहसीलदार थानखमरिया प्रदीप तिवारी ग्राम पंचायत सरपंच भारती मुकेश टंडन, सचिव विजय राजपुत, पटवारी तुम्मन बंजारे, रोजगार सहायक अकलेश साहू एवं समस्त ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

गांजा तस्करी करते, बालोद पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरतार

बालोद (समय दर्शन)। शुक्रवार को तीन व्यक्ति मोटर सायकल पैशन प्रो. में चारामा से बालोद की ओर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर जा रहे है कि सूचना तस्दीक हेतु रानीमांई मंदिर के पास ग्राम नर्रा एमसीपी लगाकर चेकिग किया जा रहा था तभी तीन व्यक्ति मोटर सायकल पैशन प्रो. में आये जिन्हे पुछताछ करने पर अपना अपना नाम 01.महेन्द्र कुंजाम पिता हीरालाल कुंजाम उम्र 25 वर्ष पता जैसाकर्रा पथरीपारा थाना चारामा जिला कांकेर 02. जितेन्द्र निषाद पिता पल्टू राम निषाद उम्र 24 वर्ष पता जैसाकर्री आवासपारा थाना चारामा जिला कांकेर 03. नोमेन्द्र रजक पिता नारद रजक उम्र 19 वर्ष पता जैसाकर्री पथरीपारा थाना चारामा जिला कांकेर का होना बतायें। जो मोटर सायकल डिग्गी में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखे हुए थे, जिसे उड़ीसा से बालोद की ओर बिक्री हेतु परिवहन करना बताये। डिग्गी में मिले गांजा को निकालने पर चार खाखी रंग के टेप से लिपटा मादक पदार्थ गांजा मिला जिसे तौलकर्ता से तौल करने पर कुल वनज कुल 4.082 किलोग्राम कीमती 2,00,000 रू का होना पाया गया एवं आरोपियों के कब्जे से तीन नग एड्राइड मोबाइल रेडमी, रियल मी एवं ओप्पों कंपनी का कीमती करीबन 15,000 रू, घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल पैशन प्रो. चाबी कीमती करीबन 30,000 रू कुल कीमती 2,45,000 रू को मौके पर गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपियों के विरूध्द थाना बालोद में अपराध क्रमांक 58/2026 धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत् अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया। आरोपियों को विधिवत दिनांक 30/01/2026 के 22,35, 22,42, 22,48 बजे गिरफ्तार कर दिनांक 31.01.2026 को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा की रेड कार्यवाही में थाना बालोद के निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा, प्र.आर. 1732 योगेश सिन्हा, आरक्षक 339 संजय सोनी, आरक्षक 118 दीपक शर्मा, 468 डिगेश्वर पटेल, आरक्षक 457 भुपेश साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका समाज निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण - कीर्ति नायक

पाटन (समय दर्शन)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं, यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जामगांव एम के ग्राम तर्रा में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज की नींव मजबूत करने वाली प्रथम शिक्षिका होती हैं। श्रीमती नायक ने कहा कि गर्भवती माताओं, धात्री महिलाओं एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नवीन प्रशिक्षण, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं तकनीकी दक्षता को अपनाकर सेवाओं को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेतु का कार्य करती हैं। जनपद पंचायत स्तर पर उनके सम्मान, सुविधा एवं क्षमता संवर्धन के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण विषयों पर चर्चा की गई तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। अंत में श्रीमती कीर्ति नायक ने सभी कार्यकर्ताओं को निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी तक

बेमेतरा(समय दर्शन)। स्वास्थ्य विभाग नवागढ़ जिला बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में नवागढ़ बीएमओ डॉ. विकास पांडेय एवं बीपीएम सी के देवांगन के नेतृत्व में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 जनवरी से 13 फरवरी का आयोजन विकासखंड में किया जा रहा है, जिसमें कुष्ठ संबंधी भ्रांतियों को दूर करने एवं समय पर उपचार हेतु जागरुक अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम की कड़ी में सरस्वती शिशु मंदिर नवागढ़ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित समस्त आचार्यों एवं छात्रों को कार्यक्रम के बारे में विस्तार से विकासखण्ड कुष्ठ रोग प्रभारी यू आर ध्रुव के द्वारा जानकारी दिया गया।

पीएमश्री विद्यालयों हेतु तीन दिवसीय इनोवेशन मेंटरिंग सत्र में बेमेतरा की सहभागिता

बेमेतरा। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ द्वारा पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु तीन दिवसीय क्षेत्रीय इनोवेशन मेंटरिंग सत्र का आयोजन छत्रपति शिवाजी प्रौद्योगिक संस्थान दुर्ग में किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। बेमेतरा जिले से पीएमश्री सेजेस शिवलाल राठी एवं पीएमश्री देवकर विद्यालय ने सहभागिता दिया। सेजेस शिवलाल राठी से श्रीमती स्मृति अग्रवाल एवं श्रीमती सुदेशा चटर्जी ने मेंटर के रूप में विद्यार्थियों रौनित चौहान एवं उत्तम साहू का मार्गदर्शन किया। विद्यार्थियों को आइडिया से स्टार्टअप, पेटेंट की जानकारी, डिजाइन थिंकिंग एवं प्रभावी पिचिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of **M/S SHRI BALAJI IRON & STEEL TRADERS** bearing Regn. No. 18 OF 2002/2003 dated 27/04/2002

Following changes took place in the firm w.e.f. 01ST DAY OF APRIL 2008

Name of the Partner admitted and date of his admission:

1. M/S AAYUSH STEELCO PRIVATE (01/04/2008) LIMITED (THROUGH ITS DIRECTOR SHRI RAJESH SOMANI S/O LATE V.S. SOMANI)

Name of the Partner retired and date of his retirement

1. RAJESH SOMANI S/O LATE V.S. (01/04/2008) SOMANI

Further take notice that the business will thenceforth be carried on by the continuing partners under the old name and style **(i.e. M/S SHRI BALAJI IRON & STEEL TRADERS)** and neither the remaining/continuing partners nor the firm shall be liable for any act done by legal heirs of the retiring /deceased partner or anybody acting on their/his behalf after that date

For M/S SHRI BALAJI IRON & STEEL TRADERS
Partner

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601104500070

विषय-ब-121 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26

खम्हरिया प.ह.नं. 00007(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-हेमन्त ढीमर
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हेमन्त ढीमर पिता लक्ष्मण प्रसाद ढीमर निवासी ग्राम खम्हरिया द्वारा अपनी दादी शांति बाई पति प्रभु ढीमर का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.01.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601104500071

विषय-ब-121 **मामले की श्रेणी-राजस्व** सन-2025-26

खम्हरिया प.ह.नं. 00007(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-हेमन्त ढीमर
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हेमन्त ढीमर पिता लक्ष्मण प्रसाद ढीमर निवासी ग्राम खम्हरिया द्वारा अपने दादा प्रभु ढीमर पिता धुरसाय का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.01.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

40 नेक व्यक्ति एवं 50 सड़क सुरक्षा मितानों को प्रशस्ति पत्रए हेलमेट एवं फर्स्ट एड किट वितरित कर किया सम्मान

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के समापन समारोह का आयोजन

बालोद (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में सम्पन्न हुए सड़क सुरक्षा माह 2026 का गरिमामयी समापन समारोह यातायात कार्यालय बालोद के सामने आयोजित किया गया जिसमे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति प्रतिभा चौधरी उपस्थित रहे। सड़क सुरक्षा माह 2026 के आयोजन का मुल उद्देश्य सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, आम जनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना रहा। समापन समारोह के दौरान श्रीमति प्रतिमा चौधरी नगर पालिका अध्यक्ष बालोद , श्रीमति मोनिका ठाकुर अति. पुलिस अधीक्षक बालोद उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विगत दिनों पुलिस परिवहन विभाग बालोद द्वारा आयोजित लर्निंग लायसेंस शिविर को सराहनीय पहल करने हेतु बधाई दी एवं अपने संबोधन में बताया की वाहन चालक संयमित गति से वाहन चलाने एवं हेलमेट लगाकर वाहन चलाने हेतु अपील किया। अति. पुलिस अधीक्षक बालोद ने माह भर चले जागरुकता कार्यक्रमों के विविध कार्यक्रमों का संक्षिप्त जानकारी दिया गया साथ ही अपने संबोधन में बताया की सड़क हादसों में कमी लाने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना बहुत जरूरी है बहुत से लोग नियमों का पालन नहीं करने के कारण दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गंवा देते है युवाओं से बिना लायसेंस वाहन नहीं चलानेए शराब सेवन कर वाहन नहीं चलाने एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान 40 नेक व्यक्ति एवं 50 सड़क सुरक्षा मितानों जिन्होने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने केफलस्वरूप एवं निबंध रंगोली स्लोगन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कार्य कराने वाले 60 स्कूली छात्र को प्रशस्ति पत्र, हेलमेट, डायरी. फर्स्ट एड किट, सड़क सुरक्षा कैलेण्डर 2026,मोमेन्टो से सम्मनित किया गया। सड़क सुरक्षा माह के दौरान हेलमेट रैली, बालोद एवं दल्लीराजहरा में लर्निंग लायसेंस बनवाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 447 व्यक्तियों का लर्निंग लायसेंस बनाएं गए। 147 वाहन चालकों का स्वास्रूय एवं नेत्र जांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सड़क सुरक्षा मितानो एवं नेक व्यक्तियों को यातायात विभाग बालोद द्वारा जागरूक करने के लिए नि:शुल्क हेलमेट का वितरण किया गया। सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग बालोद एवं यातायात पुलिस बालोद द्वारा संयुक्त रूप से 24 स्कूली बसों का जांच शिविर आयोजित किया गया है। सेल्फी पाइंट बनाकर लोगो को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने की अपील किया गया। यातायात माह के दौरान गांव के हाट बजारों मेला मंहाई में यातायात जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को जागरूक करने हेतु कार्यक्रम आयोजित कर पाम्पलेट वितरण किया गया है। स्कुली छात्र/छात्राओं का विभिन्न विधाओं जैसे निबंध,स्लोगनए चित्रकला, रंगोली, मॉडल प्रतियोगिता के माध्यम से यातायात जागरूकता से उन्हें जोड़कर उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हे सम्मानित कर भविष्य में जागरूक नागरिक बनाने हेतु प्रेरित किया गया। सडक सुरक्षा माह के दौरान जुबा कार्यक्रम एवं रक्त दान शिविर जैसे विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया था।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंज जंबुरी में भी स्टॉल लगाकार पाम्पलेट वितरण कर लोगों को सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक करने का प्रयास किया गया।

25 वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाता बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला

आत्मनिर्भरता और रोजगार का बना सशक्त मंच

सुई से लेकर जेसीबी तक एक ही छत के नीचे

जब स्थानीय व्यापार मजबूत होता है, तभी शहर, जिला और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलती है। इसी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संदेश के साथ साइंस कॉलेज मैदान, सरकंडा में बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला 2026 का भव्य आयोजन किया गया है। 25 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाता यह मेला केवल खरीद-फरोख्त का केंद्र नहीं, बल्कि उद्यमिता, नवाचार, रोजगार और सामाजिक सरोकारों का सशक्त मंच बनकर उभरा है।

बीएनआई द्वारा आयोजित इस व्यापार एवं उद्योग मेले का यह तीसरा साल है, जो 29 जनवरी से 3 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक संचालित हो रहा है। नि:शुल्क प्रवेश होने के कारण बड़ी संख्या में शहरवासियों के साथ-साथ आसपास के जिलों से भी लोग मेले में पहुंच रहे हैं। छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और बड़े उद्योगों को एक ही छत के नीचे जोड़ते हुए यह आयोजन व्यापारिक आत्मविश्वास को मजबूत कर रहा है। मेले के दूसरे दिन आयोजित मुख्य कार्यक्रम में तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ चेम्बर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सतीश थौरानी, चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष भागचंद बजाज, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी तथा छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी, निकेश बरडिया, चेतन तारवानी, रचरण सिंह साहनी, राजेश वासवानी, राधाकिशन सुंदरानी, जसप्रीत सिंह सलूजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर व्यापारियों से संवाद किया और मेले की सराहना की। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी मजबूरी नहीं, मजबूती का नाम है विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आधारशिला ग्रुप के डायरेक्टर अजय श्रीवास्तव, डॉ. किरण पाल सिंह चावला सहित अन्य वक्ताओं ने गांधीजी के विचारों, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के संदेश पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर आधारशिला न्यू सैनिक स्कूल के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। मेले के दूसरे दिन की शुरुआत सद्भावना मैराथन से की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर सामाजिक एकता, भाईचारे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बीएनआई मेला अपनी व्यापकता के लिए भी खास है। यहां घरेलू उत्पादों से लेकर भारी मशीनरी जैसे जेसीबी, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट, शिक्षा, हेल्थकेयर, फाइनेंस और टेक्नोलॉजी से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं। साथ ही 100 से अधिक फूड स्टॉलों पर विविध व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

व्यापारियों का सम्मान

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों से आए 50 चयनित व्यापारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए छत्तीसगढ़ व्यापार रत्न सम्मान से नवाजा गया। अतिथियों ने इस जनहितकारी और व्यापारोन्मुखी आयोजन के लिए बीएनआई परिवार को बधाई दी।

तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला केवल व्यापार का मंच नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभा, उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप्स को नई पहचान मिलती है। यह मेला आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीनी स्तर पर मजबूत करता है।

उमाशंकर निर्मलकर दुर्ग विश्वविद्यालय में टॉप 10 में बनाई जगह

पाटन (समय दर्शन)। विगत वर्ष दुर्ग विश्वविद्यालय हेमचंद यादव ने परीक्षा परिणाम जारी किया जिसमें पाटन महा विद्यालय के समाजकार्य विभाग के 5 छात्र छात्राओं ने अपनी जगह बनाई जिसमें उमाशंकर निर्मलकर ने पूरे विश्वविद्यालय में 6वा स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है जिसमें प्रथम स्थान द्वितीय स्थान पंचम स्थान षष्ठम स्थान पाटन महाविद्यालय ने बाजी मारी। उमाशंकर निर्मलकर की इस परिणाम को देखकर समाज के पदाधिकारी के साथ साथ राजनीतिक पदाधिकारी सहित मित्रो ने बधाई दी।

आवास योजना का भुगतान रुकने से हितग्राही बेघर, समाज सेवक खेमचंद जैन ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अहिवारा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना में भुगतान की नई प्रणाली के कारण हितग्राहियों को हो रही परेशानी को देखते हुए समाज सेवक खेमचंद जैन ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। श्री जैन ने बताया कि पूर्व में क्स्नस् से होने वाला भुगतान सही था, लेकिन नए सिस्टम से किश्तें अटक गई हैं। उन्होंने मांग की है कि गरीबों का घर अधूरा न रहे, इसलिए पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो हितग्राहियों के साथ मिलकर उचित कदम उठाया जाएगा।

शासकीय पुरन चंद कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल तर्रा का वार्षिक उत्सव, बच्चो ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति, प्रतिभाओं का किया सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय पुरण चंद हायर सेकेंडरी स्कूल तर्रा में वार्षिक उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा रौशनी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। स्वागत उद्बोधन शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रज्जू सोनी ने दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत दुर्ग की सभापति नीलम चंद्राकर रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षा चंद्राकर ने की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद सदस्य प्रणव शर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष खिलावन चंद्राकर, सरपंच विपिन चंद्राकर, पूर्व सरपंच भूषण चंद्राकर, राकेश चंद्राकर, सत्यानारायण चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष रज्जू सोनी ने कहा कि विद्यालय का वार्षिक उत्सव स्कूल की प्रगति की कहानी बताता है। यह पूरे वर्ष के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने का अवसर होता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की दीवारों पर बच्चों द्वारा स्वयं पेंटिंग की गई है तथा स्वागत हेतु गुलदस्ते भी विद्यार्थियों द्वारा ही तैयार किए जाते हैं। साथ ही उन्होंने विद्यालय की विभिन्न समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनके निराकरण की मांग की। कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ आसपास के स्कूलों के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में पालक उपस्थित रहे। शाला प्रबंधन समिति द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26